



विराट ने खोला
भारत में तेज
गेंदबाजों की
सफलता का राज
>> 12

दैनिक जागरण

प्रस्तावित राम मंदिर जैसे मंच से प्रधानमंत्री मोदी ने किया रावण का दहन

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को विजयादशमी के अवसर पर राजधानी दिल्ली के द्वारका में रावण दहन के कार्यक्रम में शामिल हुए। यहाँ उन्होंने 107 फीट ऊँचे रावण का दहन किया। पीएम मोदी ने रामलीला के जिस मंच से रावण पर बाण चलाया, उसे अयोध्या में प्रस्तावित राम मंदिर का रूप दिया गया था और इसकी भव्यता देखते ही बनती थी। वहीं, मंच के बीचोबीच सुप्रीम कोर्ट के गुंबद की प्रतिकृति बनाई गई थी। हालाँकि पीएम मोदी के आने से पहले श्रीरामलीला सोसायटी के पदाधिकारियों ने अंतिम समय में सुप्रीम कोर्ट का गुंबद हटा लिया। पदाधिकारियों ने बताया कि राम मंदिर का मुद्दा सुप्रीम कोर्ट में विचारधीन है। इसलिए हमने कोर्ट के गुंबद को हटाना उचित समझा। पीएम मोदी ने देशवासियों को विजयादशमी

► **मंच पर बनाई गई सुप्रीम कोर्ट के गुंबद की प्रतिकृति अंत समय में हटाई गई**
► **पीएम ने कहा, हर मां-बेटी का सम्मान व गरिमा बनाए रखने का लें संकल्प**

की शुभकामनाएं देते हुए अपने संबोधन में कहा कि इस बार यह पर्व अपने साथ अद्भुत संयोग लेकर आया है। देश में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाई जा रही है। गुरु नानक देव का 550वां प्रकाश उत्सव मनाया जा रहा है। भारतीय वायुसेना का जन्मदिन भी आज ही है। इस पवित्र संयोग पर हम सभी को देश की भलाई के लिए कम से कम एक ऐसा संकल्प लेना चाहिए, जिससे किसी न किसी की भलाई हो। इस संयोग का उपयोग अपनी कमियों और आसुरी शक्तियों को नष्ट करने में करें। यह संकल्प किसी भी रूप में हो सकता है। जैसे-पानी बचाना, खाना



द्वारका के सेक्टर 10 के डीडीए मैदान की रामलीला में तीर चलाते प्रधानमंत्री मोदी।

खाते हुए जुटा नहीं छोड़ना, बिजली बचाना, देश की संपत्ति को कभी नुकसान नहीं पहुंचाने का संकल्प।



रामलीला का मंच अयोध्या में प्रस्तावित राम मंदिर के माडल जैसा बनाया गया था, यहीं से प्रधानमंत्री ने मंगलवार को विजयादशमी के अवसर पर रावण के पुतले का दहन किया।

ध्रुव कुमार

देश का कोई ऐसा कोना नहीं होगा, जहां शक्ति साधना न हुई हो : उन्होंने कहा कि भारत के सामाजिक जीवन का

सामूहिक शक्ति का सामाजिक कार्यों में करें उपयोग

सामूहिकता की शक्ति का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा, प्रभु श्री राम ने अपने साथियों के बल पर समुद्र पर पुल बना दिया, लंका तक पहुंच गए। इस सामूहिक शक्ति का हमें भी सामाजिक कार्यों में उपयोग करना चाहिए। हमें सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्ति के लिए सभी को साथ लेते हुए आंदोलन चलाना चाहिए। उन्होंने कहा, आज वायुसेना का जन्मदिवस है, हम जब भगवान हनुमान को याद करते हैं तब वायुसेना और हमारे जांबाज सैनिकों के अदम्य साहस को भी याद करें।

प्रयास रहा है। हजारों साल की सांस्कृतिक विरासत में कला साधना और उत्सवों के कारण भारतीय परंपरा में रोबोट नहीं, जीते- जागते

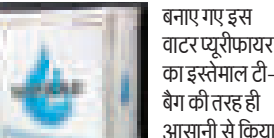
इंसान पैदा होते हैं। नवरात्र के नौ दिनों में देश का कोई ऐसा कोना नहीं होगा, जहां शक्ति साधना, उपासना न हुई हो। मां की उपासना करने वाले हमारे देश में हम सभी की जिम्मेदारी बनती है कि हर मां-बेटी का सम्मान, गौरव, गरिमा को बनाए रखने का संकल्प लें। इस दिवाली पर हमें अपनी उन बेटियों के सम्मान का संकल्प लेना चाहिए, जो अपने कार्यों से दूसरों के लिए प्रेरणा बनी हों। वहीं, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी दिल्ली की अलग अलग रामलीलाओं में शिरकत की। सोनिया ने प्रतीकात्मक तौर छोड़कर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया।

विजयादशमी पर विशेष आयोजन पृष्ठ>>13

सरोकार

सहजन वाला वाटर एयूरीफायर दिलाएगा डायरिया से मुक्ति

सोलन (हिमाचल प्रदेश) : सहजन यानी इमरस्टिक के बीजों के पाउडर से



बनाया गए इस वाटर एयूरीफायर का इस्तेमाल टी-बैग की तरह ही आसानी से किया जा सकता है। पांच मिनट में एक लीटर दूधित पानी पीने योग्य बन जाता है। कीमत मात्र पचास पैसे है। (पृष्ठ-13)

जागरण विशेष

काली मिर्च से कर रहे 'उजाले' की खेती

कोंडगांव : आर्थिक रूप से वनोजनों पर ही निर्भर रहने वाले आदिवासियों ने तंगी और बढहाली के अंधेरे में उजाला भरने के लिए काली मिर्च की खेती शुरू की है। काली मिर्च से आमदनी तो होगी ही, साल वनों का संरक्षण भी सुनिश्चित होता चलेगा। (पृष्ठ-13)

न्यूज गैलरी

सिटी न्यूज

केजरीवाल को केंद्र की ना, डेनमार्क दौरा रद्द

नई दिल्ली : दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल विदेश मंत्रालय से अनुमति नहीं मिलने के कारण सी-40 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने डेनमार्क नहीं जा पाए। उन्हें डेनमार्क के कोपेनहेगन में नौ से 12 अक्टूबर तक होने वाले सम्मेलन में भाग लेने के लिए मंगलवार को रवाना होना था। सम्मेलन में केजरीवाल दिल्ली के प्रदूषण को 25 फीसद तक कम करने के सरकार के सफल प्रयासों की जानकारी दुनिया के सामने रखते।

महासमर

मोदी ने बनाया ओबीसी आयोग : अमित शाह
बीड : केंद्रीय गृह मंत्री व भाजपाध्यक्ष अमित शाह ने मंगलवार को महाराष्ट्र के बीड जिले में दशहरा रैली में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओबीसी आयोग का गठन करके लगातार वंचितों और पिछड़े वर्ग के लोगों की समस्याओं का निदान करने में जुटे हुए हैं। जबकि पिछले 70 साल में पिछली सरकारें यह नहीं कर पाईं।

इंतजार खत्म

रक्षा मंत्री राजनाथ ने विमान पर ओम लिखा, नारियल-फूल चढ़ाकर की शस्त्र पूजा, तीस मिनट की उड़ान भर कर विमान हासिल करने का किया शुभारंभ, दक्षिण एशिया में बड़ेगा भारत का दबदबा



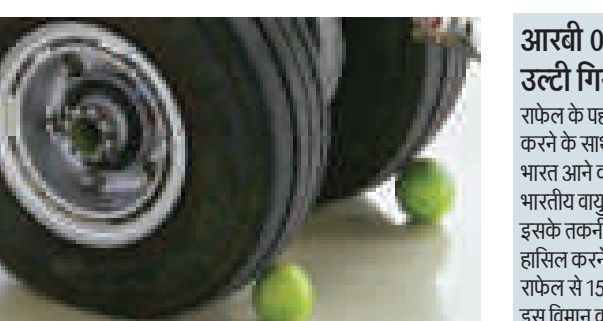
जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

विजयादशमी के दिन भारत ने दुनिया के सबसे माफ़क लड़ाकू जेट विमान राफ़ेल को औपचारिक तौर पर हासिल कर लिया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने फ़्रांस में एक गरिमापूर्ण समारोह में बहुतीथित राफ़ेल विमान को प्राप्त किया। उन्होंने भारत को मिले पहले राफ़ेल का विधि विधान से शस्त्र पूजन कर भारतीय वायुसेना की सामरिक ताकत में हो रहे इजाफ़े का शंखाना किया। राफ़ेल-आरबी 001 में आधे घंटे की उड़ान भर कर रक्षा मंत्री ने भारत के बढ़ते सैन्य पराक्रम का भी संदेश दिया। उन्होंने कहा कि राफ़ेल का अर्थ हिंदी में आंधी है और उम्मीद है कि यह विमान दुश्मनों के खिलाफ़ अपने नाम को चरितार्थ करेगा।

फ़्रांस के मेरीनेक एयरबेस पर राफ़ेल बनाने वाली कंपनी दासी और फ़्रांसीसी सैन्य मंत्री की मौजूदगी में मंगलवार को हुए समारोह में राजनाथ सिंह को राफ़ेल सौंपने की औपचारिकता पूरी की गई। भारत को राफ़ेल मिलने से दक्षिण एशिया में भारत का दबदबा बढ़ेगा। पाकिस्तान जैसे पड़ोसी



के नापाक इशदे फ़स्त होंगे। इस मौके पर सिंह ने कहा कि आज भारतीय वायुसेना के लिए ऐतिहासिक दिन है। भारत में आज विजयादशमी यानी बुराई पर अच्छाई की जीत का दिन है। वहीं आज 87वां वायुसेना दिवस भी है। रक्षा मंत्री ने कहा, 'हमारा फोकस वायुसेना की क्षमता बढ़ाने पर है। मुझे पूरी



विजयादशमी पर मंगलवार को फ़्रांस में भारत को पहला राफ़ेल लड़ाकू विमान सौंपा गया। इस मौके पर मौजूद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विमान की विधिपूर्वक शस्त्र पूजा की। बुरी नजर से बचाने के लिए पहियों के नीचे नींबू भी रखा गया। इसके बाद राजनाथ ने राफ़ेल में उड़ान भी भरी। एएफ़पी

उम्मीद है कि सभी राफ़ेल विमान की तय समयसीमा पर आपूर्ति हो जाएगी। राफ़ेल हासिल करने के बाद राजनाथ सिंह ने भारतीय परंपरा और विधि विधान से शस्त्र पूजा की। इस दौरान रक्षा मंत्री ने विमान के अगले हिस्से पर कुमकुम का तिलक लगाया और ओम लिखा।

हिंदू राष्ट्र है भारत : संघ प्रमुख

भागवत बोले ► हिंदुओं को एकजुट करने का अर्थ इस्लाम का विरोध नहीं

लिचिंग भारतीय सभ्यता का हिस्सा नहीं, देश को बदनाम करने के लिए लाया गया शब्द

राज्य ब्यूरो, मुंबई

हर भारतीय जो देश की प्रतिष्ठा बढ़ाने एवं शांति स्थापना के लिए काम कर रहा है, वह हिंदू है। हमारा स्पष्ट मानना है कि भारत हिंदुस्तान और हिंदू राष्ट्र है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर के रेशिमबाग मैदान में शस्त्र पूजा के बाद परंपरागत दशहरा रैली में मंगलवार को यह बात कही। सरसंघचालक भागवत ने 'लिचिंग' जैसे शब्द के प्रयोग पर भी आपत्ति जताते हुए इसे आयातित करार दिया। उन्होंने कहा, भारत और हिंदू समाज को बदनाम करने के लिए इसका प्रयोग किया जा रहा है।

हिंदू राष्ट्र के प्रति संघ की अवधारणा पर भागवत ने कहा, 'राष्ट्र की पहचान, हम सब की सामाजिक पहचान और देश की प्रकृति को लेकर संघ का विचार स्पष्ट और दृढ़ है कि भारत हिंदुस्तान और हिंदू राष्ट्र है। भारत से संबंध रखने वाला, भारतीय पूर्वजों की संतान व विविधताओं का सम्मान करने वाला हर भारतीय हिंदू है।' हिंदुओं को एकजुट करने का अर्थ इस्लाम का विरोध नहीं है। उन्होंने कहा, देश में कहीं भी एक समुदाय के कुछ लोगों द्वारा दूसरे समुदाय के किसी व्यक्ति पर हमले की घटना सामने आती है, तो पूरे समुदाय को दोषी ठहराया जाने लगता



महाराष्ट्र के नागपुर में मंगलवार को आरएसएस मुख्यालय में आयोजित विजयादशमी उत्सव के दौरान आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और एचसीएल के संस्थापक तथा अध्यक्ष शिव नादर।

हैं। ऐसी घटनाएं भारत की मूल प्रवृत्ति कभी नहीं रहें। 'लिचिंग' भारतीय सभ्यता का शब्द नहीं है, इसका संबंध अन्य धर्म की कथा से है। यह पश्चिमी अवधारणा है और देश को बदनाम करने के लिए इसका प्रयोग किया जा रहा है। भागवत ने कहा, ऐसी घटनाओं में लिप लोगों का भारत ने कभी समर्थन नहीं किया। संघ हमेशा ऐसी घटनाओं के विरोध में खड़ा रहा है। कुछ लोग संघ को बदनाम करने के लिए उसका नाम भी ऐसी घटनाओं से जोड़ देते हैं। हर बात के लिए संघ पर आरोप लगाना कुछ लोगों की आदत बन गई है। अब तो पाक के पीएम इमरान

संघ प्रमुख ने यह भी कहा

- नई पीढ़ी में आत्म गौरव के लिए शिक्षा पद्धति में बदलाव की जरूरत
- संस्कारों का क्षरण एवं जीवन मूल्यों में गिरावट चिंता का विषय
- नारी सम्मान की परंपरा वाले देश में महिलाओं की असुरक्षा लज्जा का विषय
- मातृशक्ति को सशक्त बनाने के साथ पुरुषों की दृष्टि में भी परिवर्तन जरूरी
- युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए वरतनी होगी सतर्कता
- कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास से ही फ़लीभूत होगा अनुच्छेद 370 पर फैसला
- लोकतंत्र वाहरी व्यवस्था नहीं, भारत की सदियों की परंपरा का हिस्सा

उसके पिछले कार्यों के प्रति सम्मति और नई अपेक्षाओं का परिणाम है। संसद के दोनों सदनों में विरोधियों को भी साथ लेकर अनुच्छेद 370 हटाने के लिए पीएम, गृह मंत्री और समर्थन करने वाले सभी दल अभिनंदन के पात्र हैं। भागवत ने चंद्रयान-2 का भी उल्लेख किया।

मंदी का शोर मचाना गलत : भागवत ने आर्थिक सुस्ती का जिक्र करते हुए कहा, इस पर बेवजह चर्चा से लोगों और कारोबारियों की धारणा कमजोर हो सकती है। सुस्ती के इस चक्र से भी हम बाहर निकल जाएंगे। सरकार इससे निपटने के लिए उपाय कर रही है।

चीन का बदला रुख, कहा भारत और पाक मिलकर सुलझाएं कश्मीर मसला

बीजिंग, प्रेढ़ : राष्ट्रपति शी चिनफिंग की भारत यात्रा से ठीक पहले चीन कश्मीर मुद्दे पर अपने पुराने रुख पर लौट आया है। कश्मीर को द्विपक्षीय मसला बताते हुए चीन ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान को बातचीत के जरिए इसका समाधान निकालना चाहिए। उल्लेखनीय है कि दो हफ्ते पहले इसी चीन ने कश्मीर मसले को लेकर संयुक्त राष्ट्र चार्टर और प्रस्तावों का राग अलापा था। वामपंथी शासन वाले पड़ोसी देश चीन का यह बयान ऐसे समय में भी आया है, जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान राष्ट्रपति चिनफिंग से मिलने मंगलवार को बीजिंग पहुंचे और उससे एक दिन से पाक सेना प्रमुख कमर बाजवा बीजिंग में मौजूद हैं।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गेंग शुआंग ने यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राष्ट्रपति चिनफिंग की भारत यात्रा के संबंध में किसी तरह की घोषणा नहीं की। परंतु, चीनी अधिकारियों ने अनौपचारिक रूप से बताया कि राष्ट्रपति की यात्रा के संबंध में बुधवार को बीजिंग और नई दिल्ली में एक साथ घोषणा की जाएगी।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान और चिनफिंग की मुलाकात में कश्मीर मसला उठाए जाने से संबंधित सवाल पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि कश्मीर पर

► **मोदी से मुलाकात से पहले, संयुक्त राष्ट्र में दिए बयान पर साक्षी गुपी**

► **चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग शुक्रवार को भारत आ रहे हैं**

चीन का रुख यह है कि भारत और पाकिस्तान को आपस में बातचीत के जरिए इस मसले को सुलझाना चाहिए। बता दें कि कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म किए जाने के बाद चीन ने अपना रुख बदलते हुए कहा था कि कश्मीर मसले का समाधान संयुक्त राष्ट्र चार्टर, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रासंगिक प्रस्तावों और द्विपक्षीय समझौतों के आधार पर निकाला जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में बंद करामें हुई बैठक और फिर संयुक्त राष्ट्र महासभा में भी चीन इसी रुख पर कायम रहा था। भारत ने उसके बयान का कड़ा विरोध किया था।

अब गेंग के मंगलवार के बयान के साथ ही चीन अपने पुराने रुख पर लौट आया है। जानकारों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दूसरी अनौपचारिक वार्ता के लिए चिनफिंग की भारत यात्रा को देखते हुए चीन के रुख में यह बदलाव आया है।

..... भारत-चीन को मिलकर क्षेत्र में शांति-स्थिरता कायम करनी चाहिए पृष्ठ>>3

बिहार में दशहरा समारोह में नहीं पहुंचे भाजपा नेता

राज्य ब्यूरो, पटना

पटना के गांधी मैदान में विजयादशमी समारोह में हर साल की तरह भारी भीड़ उमड़ी पर भाजपा का कोई नेता नजर नहीं आया। नेताओं की गैर-हाजिरी ने बिहार में सियासी चर्चा को नया विषय दे दिया है। यह पहला अवसर है जब राज्य सरकार में शामिल रहने के बावजूद भाजपा नेता समारोह के मंच पर मौजूद नहीं थे। राज्यपाल हालांकि दलगत राजनीति से अलग माने जाते

नगरिक अभिजित राय, अमेरिकी दूतावास का स्थानीय कर्मचारी जुलहाज मन्नन शामिल हैं। एक अमेरिकी संसदीय उपसमिति के समक्ष सामरिक विशेषज्ञ सेंट जी. जॉन ने कहा था कि 2017 तक एक्यूआइएस ने सैकड़ों सदस्य जोड़ लिए थे और उसके हेलमेट, कंधार, जाबुल, पकिस्तान, गोजन में सेल थे। अक्टूबर, 2015 में सुरक्षाबलों ने कंधार प्रांत में एक प्रशिक्षण शिविर पर हमला किया था जिसमें एक्यूआइएस के सौ से ज्यादा आतंकी मारे गए थे।

► **रावण वध से अधिक भाजपा नेताओं की गैर-हाजिरी की चर्चा**

► **राज्यपाल भी नहीं पहुंचे, सुशील मोदी की कुर्सी पर बैठे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष**

जदयू ने नहीं की नकारात्मक टिप्पणी : भाजपा नेताओं की गैर-हाजिरी पर जदयू ने कोई नकारात्मक टिप्पणी नहीं की है। इसके बावजूद सियासी हलके में इसे भाजपा-जदयू कोटेशन को जिम्मेवार ठहरा रहे हैं। इन मंत्रियों पर जदयू के प्रवक्ता भी हमलावर रहे हैं, लेकिन, दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व के स्तर पर टकराव जाहिर करने जैसे बयान नहीं आए।

मोदी की कुर्सी पर बैठे कांग्रेस अध्यक्ष : यह संयोग ही था कि मंच पर पार्टी ने खुद को समारोह से अलग कर लिया।

पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा बैठे थे। बैठने की इस व्यवस्था को भी सियासी चर्चा में खास महत्व दिया जा रहा है। आम तौर पर ऐसे समारोहों में नीतीश की बगल की कुर्सी सुशील मोदी के लिए ही आरक्षित रहती है। इस बाब दशहरा केमैटि के अध्यक्ष कमल नौपनी ने कहा कि हर साल की तरह इस बार भी राज्यपाल समेत सभी प्रमुख मंत्रियों, पटना के सांसदों और विधायकों को निमंत्रण भेजा गया था। वे क्यों नहीं आए, अगर वे ही बात सकते हैं। भाजपा विधायक संजीव चौरसिया ने इस बाबत पृष्ठ जाने पर कहा, जलनिकासी के काम में लगे रहने के कारण कार्यक्रम में नहीं जा सके।

बक्सर के समारोह में शामिल हुए भाजपा नेता : बाढ़ और जलजमाव का हवाला देकर भाजपा नेता भले ही पटना के गांधी मैदान के कार्यक्रम में अनुपस्थिति की बात कर रहे हों, बक्सर में विजयदशमी समारोह में स्थानीय सांसद और केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री अश्विनी कुमार चौबे शामिल हुए थे।

जमीन से लेकर आकाश तक फिर 'अभिनंदन'

गाजियाबाद : वायुसेना के 88वें स्थापना दिवस पर लोगों के जेहन में बालाकोट एयरस्ट्राइक और विंग कमांडर अभिनंदन के 'ऑपरेशन पराक्रम' की वीरता की यादें फिर ताजा हो गईं। गाजियाबाद के हिंडन एयरफोर्स स्टेशन में आयोजित वायुसेना दिवस समारोह में विंग कमांडर अभिनंदन ने एयर- शो में जैसे ही मिग-21 बायसन विमान से उड़ान भरी हर देशवासी का सीना गर्व से चौड़ा हो गया। (पृष्ठ-5)

ब्रह्मांड के रहस्य सुलझाने वाले तीन वैज्ञानिकों को भौतिकी का नोबेल

स्टॉकहोम : ब्रह्मांड के विकासक्रम और अनंत ब्रह्मांड में हमारी स्थिति को समझने की दिशा में अहम शोध करने वाले तीन वैज्ञानिकों को इस साल भौतिकी के नोबेल के लिए चुना गया है। इनमें कनाडाई मूल के अमेरिकी अंतरिक्ष वैज्ञानिक जेम्स पीबल्स और स्विट्जरलैंड के मिशेल मेयर व डिडियर व्कुलोज शामिल हैं। शोध की महत्ता को देखते हुए पीबल्स को पुरस्कार की आधी राशि मिलेगी। शोध आधी राशि अन्य दोनों वैज्ञानिकों में बराबर बांटी जाएगी। (पृष्ठ-16)



राजधानी में मंगलवार को विजयादशमी के पानन अवसर पर बुराई के प्रतीक रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतले जलाए गए। इस दौरान राष्ट्रपति से लेकर मुख्यमंत्री तक अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल हुए। आइपी एक्सटेंशन स्थित श्री रामलीला कमेटी इंद्रप्रस्थ में तीर चलाकर रावण का पुतला दहन करते राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद। इस दौरान उनकी पत्नी सविता कोविंद भी मौजूद रहीं (बाएं)। साथ ही लालकिला मैदान में लवकुश रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भगवान राम, लक्ष्मण व हनुमान की आरती करते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल (मध्य)। लालकिला मैदान में नवश्री धार्मिक लीला में तीर चलाकर रावण का वध करते पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी (दाएं)। जागरण



बुराई पर अच्छाई की जीत का उत्सव...



कैजरीवाल को केंद्र सरकार की ना, डेनमार्क दौरा रद्द

रखा पक्ष ► विदेश मंत्रालय ने सम्मेलन की प्रकृति का दिया हवाला

दिल्ली के मुख्यमंत्री को सी-40 शिखर सम्मेलन में लेना था हिस्सा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सी-40 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए डेनमार्क नहीं जा पाए। उन्हें विदेश मंत्रालय से उनकी यात्रा के लिए मंजूरी नहीं मिल सकी। मुख्यमंत्री का मंगलवार दोपहर दो बजे डेनमार्क के कोपेनहेगन में सम्मेलन के लिए जाने का कार्यक्रम था। सम्मेलन 9 अक्टूबर को शुरू हो रहा है और 12 अक्टूबर तक चलेगा।

मुख्यमंत्री को आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करना था। इस सम्मेलन में दुनिया के सबसे बड़े महानगरों में से एक दिल्ली के नेता के रूप में केजरीवाल को आमंत्रित किया गया था। केजरीवाल दुनिया के उन 20 नेताओं में शामिल होने डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन जा रहे थे जो इस बात का प्रण लेंगे कि लघु और दीर्घकालिक प्रतिबद्धताओं से अपने-अपने शहर की हवा को स्वच्छ किया जाए। अरविंद केजरीवाल को सम्मेलन के मंच से दिल्ली के प्रदूषण को 25 फीसद तक कम करने के लिए सरकार की ओर से किए गए सफल प्रयास की जानकारी दुनिया के सामने रखें।

विदेश मंत्रालय ने कहा :

डेनमार्क में बताना था, कैसे कम किया प्रदूषण

- चार साल पहले तक दिल्ली दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल थी। वायु प्रदूषण को कम करने में कैसे सफलता मिली।
- मुख्यमंत्री को दिल्ली में बेहतर बिजली आपूर्ति के लिए सरकार की ओर से किए गए प्रयास पर प्रकाश डालना था।
- किस तरह जेनरेटर सेट का चलन दिल्ली में लगभग बंद हुआ।
- कैसे 95 फीसद उद्योगों के सीएनजी में शिफ्ट

- होने से औद्योगिक प्रदूषण में गिरावट आई। दो थर्मल पावर प्लांट को बंद किया।
- किस तरह सरकार के प्रयास से निर्माण स्थलों से होने वाले प्रदूषण में कमी देखने को मिली। हरियाली का दायरा बढ़ा।
- मुख्यमंत्री एशियन मेयर और सिटी लीडर्स कम कार्बन समावेशी विकास बैठक नामक शिखर सम्मेलन के दौरान एक कार्यक्रम में वरिष्ठ वक्ता भी थे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा- मैं राजनीतिक मंजूरी के लिए सवालों का जवाब नहीं देना चाहता। यदि आप समझदार हैं तो आपको इसकी प्रक्रिया के बारे में पूरी जानकारी होगी। हमें हर महीने मंत्रालयों, सचिवों, नौकरशाहों से राजनीतिक मंजूरी के लिए सैकड़ों अनुरोध मिलते हैं। एक निर्णय कई सूचनाओं पर आधारित होता है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन की प्रकृति का भी ध्यान रखा जाता है, जहां व्यक्ति भाग लेने जा रहा है।

संजय सिंह ने कहा-केंद्र से अनुमति न मिलना दुर्भाग्यपूर्ण : अरविंद केजरीवाल को डेनमार्क जाने की अनुमति न मिलने पर आम आदमी पार्टी (आप) से राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। सीएम केजरीवाल छुट्टी मनाने के

लिए डेनमार्क नहीं जा रहे थे। एशिया के 100 शहरों के मेयरों से प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई के लड़ने के तरीकों के विषय में चर्चा करने जा रहे थे।

सिंह ने कहा कि हमने सवा महीने पहले आवेदन किया था, लेकिन मंजूरी नहीं मिल सकी। जबकि बंगाल सरकार के शहरी विकास मंत्री फरहाद हाकिम ने विदेश जाने के लिए सप्ताह भर पहले आवेदन किया और उन्हें अनुमति मिल गई। इससे पता चलता है कि हमारे साथ भेदभाव किया जा रहा है। इससे उन लोगों को क्या संदेश मिला जो सम्मेलन में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि इससे पहले पिछले साल भी उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को मास्को और दो साल पहले मोहल्ला क्लीनिक योजना को लेकर स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के आस्ट्रेलिया के दौरे पर जाने से भी रोका गया था।

एलपीजी सिलेंडर फटने से मां-बेटी की मौत

जागरण संवाददाता, पूर्वी दिल्ली

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू सभापुर गुजरान में मंगलवार सुबह करीब 10 बजे आग लगने से एलपीजी के दो सिलेंडर फट गए। इस हादसे में मां-बेटी की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के समय मैकेनिक राजेश सिलेंडर रिसाव बंद करने का प्रयास कर रहा था। हादसे में मां-बेटी की मौत हो गई। मृतकों की पहचान रामश्री देवी (62) और इनकी बेटी हेमलता (38) के रूप में हुई है। वहीं घायल मैकेनिक राजेश (42) का सफदरजंग अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने शवों को जीटीबी अस्पताल में रखवा दिया है। परिजनों ने अस्पताल में हंगामा कर बिना पोस्टमार्टम के शव देने की मांग की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के उमझने पर वह माने। करावल नगर थाना पुलिस केस दर्जकर मामले की जांच कर रही है।

हेमलता परिवार के साथ 246, न्यू सभापुर में रहती थीं। आठ साल पहले उनके पति प्रवीण की मौत हो गई थी। हेमलता का एक बेटा अरुण (18) और एक बेटी कशिश (12) है। घर से थोड़ी दूरी पर ही हेमलता का मायका है, वहां का विभाग पहले से कार्यरत है, जिसमें पांच फैकल्टी हैं। इसीलिए कम बेटे क्षमता के साथ इलाज शुरू करने में डॉक्टरों की कमी आड़े नहीं आएगी। बाद में अगले साल इसमें सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा।



न्यू सभापुर गुजरान स्थित मकान में इसी जगह हुई सिलेंडर फटने की घटना।

जागरण

सिलेंडर से गैस रिसाव होते देखा। हेमलता ने मैकेनिक राजेश को रिसाव ठीक करने के लिए बुलाया। रसोई में उस वक्त मां-बेटी की अलावा राजेश था। रिसाव को ठीक करते समय अचानक सिलेंडर में आग लग गई और कुछ सेकेंड बाद ही वह फट गया। इसकी चोट में आने से रसोई में रखा दूसरा सिलेंडर भी फट गया। इससे रामश्री और हेमलता के शरीर के चिथड़े उड़ गए। वहीं राजेश बुरी तरह झुलस गया। रसोई में आग लग गई। सिलेंडर के धक्के की आवाज सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए। सूचना मिलते ही दमकल, पुलिस और कैंट्स एंबुलेंस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एंबुलेंस से राजेश को जीटीबी अस्पताल पहुंचाया, जबकि मां-बेटी के शवों को शवगृह में रखवा दिया। दमकल की दौ गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। जीटीबी में राजेश की हालत बिगड़ने पर उसे सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे के वक्त हेमलता का बेटा काम पर गया हुआ था और बेटी मौसी के घर मंडोली गई हुई थी। हेमलता भी एक जींस की फैक्ट्री में काम करती थीं।

गया। रसोई में आग लग गई। सिलेंडर के धक्के की आवाज सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए। सूचना मिलते ही दमकल, पुलिस और कैंट्स एंबुलेंस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एंबुलेंस से राजेश को जीटीबी अस्पताल पहुंचाया, जबकि मां-बेटी के शवों को शवगृह में रखवा दिया। दमकल की दौ गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। जीटीबी में राजेश की हालत बिगड़ने पर उसे सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे के वक्त हेमलता का बेटा काम पर गया हुआ था और बेटी मौसी के घर मंडोली गई हुई थी। हेमलता भी एक जींस की फैक्ट्री में काम करती थीं।

मंगलवार को दशहरा की छुट्टी की वजह से आरोपित ने प्रबंधक की हत्या कर दी। घटना में शामिल दो आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है जबकि दो अभी फरार हैं। एसएसपी वैभव कृष्ण ने बताया कि बादलपुर कोतवाली क्षेत्र में कट्ठा नहर की पुलिया के पास बीते 20 जून को एक अज्ञात युवक का शव पड़ा मिला था। इसकी पहचान हापुड़ के काठी खेड़ा गांव के रहने वाले आजाद के रूप में हुई थी। आजाद मुथुट फिनकार्प लिमिटेड गाजियाबाद की शाखा में प्रबंधक के पद पर तैनात थे। परिजन ने हत्या का मुकदमा दर्ज करवाया था। बादलपुर कोतवाली प्रभारी

पर पहुंची। पुलिस ने एंबुलेंस से राजेश को जीटीबी अस्पताल पहुंचाया, जबकि मां-बेटी के शवों को शवगृह में रखवा दिया। दमकल की दौ गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। जीटीबी में राजेश की हालत बिगड़ने पर उसे सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे के वक्त हेमलता का बेटा काम पर गया हुआ था और बेटी मौसी के घर मंडोली गई हुई थी। हेमलता भी एक जींस की फैक्ट्री में काम करती थीं।

मंगलवार को दशहरा की छुट्टी की वजह से आरोपित ने प्रबंधक की हत्या कर दी। घटना में शामिल दो आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है जबकि दो अभी फरार हैं। एसएसपी वैभव कृष्ण ने बताया कि बादलपुर कोतवाली क्षेत्र में कट्ठा नहर की पुलिया के पास बीते 20 जून को एक अज्ञात युवक का शव पड़ा मिला था। इसकी पहचान हापुड़ के काठी खेड़ा गांव के रहने वाले आजाद के रूप में हुई थी। आजाद मुथुट फिनकार्प लिमिटेड गाजियाबाद की शाखा में प्रबंधक के पद पर तैनात थे। परिजन ने हत्या का मुकदमा दर्ज करवाया था। बादलपुर कोतवाली प्रभारी

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

उत्तर प्रदेश के बादलपुर कोतवाली क्षेत्र में बीते जून के महीने में मुथुट फिनकार्प कंपनी के प्रबंधक आजाद के ममेरे भाई परविंदर को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने बताया कि उसने कुछ दिनों पहले आजाद से दस हजार रुपये उधार लिए थे। आजाद उस पर रुपये पैसे वापस करने का दबाव बना रहा था। आरोपित ने बताया कि 20 जून को परविंदर ने उधार के रुपये वापस देने की बात कहकर दर्ज करवाया था। बादलपुर कोतवाली प्रभारी

दिल्ली में ग्रामसभा की जमीन पर अब दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) का कब्जा होगा। डीडीए ने दिल्ली सरकार से इसे अपने अधीन लेने की तैयारी कर ली है। पहले चरण में डीडीए को लगभग 250 हेक्टेयर जमीन मिलने के आसार हैं। इस सारी जमीन को लैंडपूलिंग पॉलिसी में शामिल किया जाएगा।

यूं तो दिल्ली में जमीन से जुड़े सभी मामले डीडीए के ही अधिकार क्षेत्र में आते हैं, लेकिन सन 1957 में हुए डीडीए के गठन से लेकर अभी तक भी डीडीए के पास ग्रामसभा की जमीन का कब्जा नहीं है। दरअसल, यह जिम्मेदारी पहले

दिल्ली प्रशासन एवं अब दिल्ली सरकार की है कि वह ग्रामसभा की जमीन को अधिग्रहीत कर उसे डीडीए के सुपुर्द करे। यदि इस जमीन पर कहीं अतिक्रमण है, तो उसे हटाने का दायित्व भी दिल्ली सरकार का ही है। दिल्ली सरकार ग्रामसभा की जमीन को अधिग्रहीत तो करती रही है, लेकिन उसे डीडीए को सौंपने की प्रक्रिया कागजों तक ही सिमटकर रह गई।

डीडीए अधिकारियों के मुताबिक जमीन की सुपुर्दगी के लिए उसका सीमांकन और सर्वे होना जरूरी है, जो कराया ही नहीं जाता। इसलिए

पिछले 62 वर्षों में दिल्ली विकास प्राधिकरण को नहीं मिल सका है कब्जा

ग्रामसभा की जमीन डीडीए की है, लेकिन आज तक कब्जा नहीं मिल सका। अब उपराज्यपाल के सहयोग से जल्द ही यह कब्जा मिल जाएगा। ग्रामसभा की यह जमीन मिल जाने से न सिर्फ लैंडपूलिंग पॉलिसी को रूपांतर मिलेगी, बल्कि दिल्ली की विकास योजनाओं में भी इस जमीन का इस्तेमाल किया जा सकेगा।

-तरुण कपूर, उपाध्यक्ष, डीडीए

पिछले 62 वर्षों में भी डीडीए को इस जमीन का कब्जा नहीं मिल पाया है। उपराज्यपाल एवं डीडीए के अध्यक्ष अनिल बैजल के इस दिशा में लगातार किए गए प्रयासों के फलस्वरूप अब भी दिल्ली सरकार का राजस्व विभाग डीडीए को यह जमीन सौंप देगा। डीडीए को उम्मीद है कि पहले चरण में उसे ग्रामसभा की 200 से 250 हेक्टेयर तक जमीन मिल जाएगी। इस जमीन को लैंडपूलिंग पॉलिसी में उन जों में इस्तेमाल किया जाएगा, जहां पर अभी तक न्यूनतम 70 फीसद जमीन एकत्र नहीं हो पाई है।

एम्स में दिसंबर में शुरू होगा बर्न व प्लास्टिक सर्जरी सेंटर

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

एम्स में बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी सेंटर बनकर तैयार है। एम्स प्रशासन इसे जल्द शुरू करने की तैयारी में है। उम्मीद है कि दिसंबर में एम्स में बर्न व प्लास्टिक सर्जरी सेंटर शुरू हो जाएगा। खास बात यह है कि बड़े क्षमता के मामले में यह सफदरजंग अस्पताल के बर्न सेंटर के लगभग बराबर होगा, लेकिन एम्स के बर्न व प्लास्टिक सर्जरी सेंटर में अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही रिकंस्ट्रक्टिव व प्लास्टिक सर्जरी की बेहतर सुविधा मिल पाएगी। मौजूदा समय में बर्न के इलाज की सुविधाएं दिल्ली की नहीं पूरे देश में सीमित हैं। यही वजह है कि सफदरजंग अस्पताल के 108 बेड के बर्न सेंटर में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तरांचल, मध्य प्रदेश व बिहार से मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। इस वजह से सफदरजंग अस्पताल के बर्न सेंटर में पीड़ितों को बेड मिल पाना मुश्किल होता है। वैसे दिल्ली में सफदरजंग अस्पताल के अलावा आरएमएल व लोकनायक अस्पताल में भी बर्न का अलग वार्ड है। इसके अलावा टॉमा सेंटर में काफी संख्या में ऐसे हादसा पीड़ित पहुंचते हैं जिन्हें प्लास्टिक सर्जरी करने की जरूरत

102 बेड और छह ऑपरेशन थियेटर की होगी सुविधा

पड़ती है। यही वजह है कि एम्स में बर्न व प्लास्टिक सर्जरी के सेंटर की जरूरत महसूस की जा रही थी। टॉमा सेंटर के परिसर में बर्न व प्लास्टिक सर्जरी सेंटर का भवन करीब तैयार है। इसमें 102 बेड की सुविधा होगी। जिसमें 30 आइसीयू बेड शामिल होंगे। इसके अलावा इसमें छह ऑपरेशन थियेटर होंगे। एम्स के अनुसार अभी तक बर्न सेंटर का भवन अस्पताल प्रशासन को सुपुर्द नहीं हुआ है। क्योंकि फायर व अन्य संबंधित विभागों से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने की प्रक्रिया चल रही है। अनापत्ति प्रमाण पत्र मिलने के बाद इस सेंटर में चिकित्सा सुविधाएं शुरू करने का रास्ता साफ हो जाएगा, लेकिन एक साथ पूरे बेड क्षमता के अनुसार इसका संचालन शुरू नहीं हो पाएगा। इसीलिए शुरूआत में कम बेड क्षमता के साथ इसमें इलाज के साथ शुरू होगा। एम्स में बर्न व प्लास्टिक सर्जरी का विभाग पहले से कार्यरत है, जिसमें पांच फैकल्टी हैं। इसीलिए कम बेड क्षमता के साथ इलाज शुरू करने में डॉक्टरों की कमी आड़े नहीं आएगी। बाद में अगले साल इसमें सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा।

तैयारी

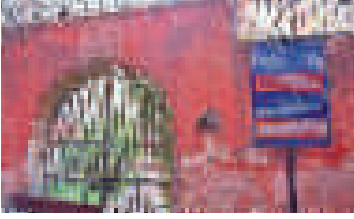
राष्ट्रीय महत्व के स्मारक का दर्जा हासिल इस मकबरे के संरक्षण की योजना बनाई है एसएसआई ने, इसके तहत जौक की कब्र के आसपास के क्षेत्र की दशा सुधारी जाएगी

कौन जाए जौक, दिल्ली की गलियां छोड़कर...

वी.के. शुक्ला, नई दिल्ली

शेर-ओ-शायरी की बात आती है तो सभी कुछ गालिब पर आकर ही अटक जाता है, मगर यहां जौक भी ऐसे शायर हुए हैं जिन्होंने देश और दुनिया में दिल्ली का नाम रोशन किया है। 'कौन जाए जौक, दिल्ली की गलियां छोड़कर' यह शेर कहने वाले दिल्ली पर फिदा मशहूर शायर जौक कहीं बाहर नहीं गए और यहीं रह भी गए। मगर जौक को शायद पता नहीं था कि दिल्ली उन्हें ऐसे भुला देगी। नबी करीम इलाके में स्थित शेख इब्राहीम जौक की मजार पर वीरानी छाई है। जौक अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर के दरबारी शायर थे।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एसएसआई) ने इसे राष्ट्रीय महत्व के स्मारक का दर्जा दिया है। मगर अब इसकी हालत ऐसी नहीं रहेगी। एसएसआई ने इसके संरक्षण की योजना बनाई है। योजना के तहत उनकी कब्र के आसपास के क्षेत्र की दशा सुधारी जाएगी। स्मारक के अंदर के फर्श का संरक्षण कार्य किया जाएगा। प्रवेश द्वारा को इस तरह बनाया जाएगा कि वह बेहतर दिखे। इस स्मारक तक पहुंचने के लिए दो रास्ते हैं। एक रास्ता पहाड़गंज में होटल टुडे के



जौक का मकबरा।

जागरण

पास से संकरी गली से है जो करीब एक किलोमीटर अंदर जाने के बाद इस स्मारक तक पहुंचती है। दूसरा रास्ता कुतुब रोड से है। इन दोनों रास्तों पर अब सूचना बोर्ड लगाए जाएंगे, जिसपर स्मारक के इतिहास के बारे में जानकारी लिखी होगी। जौक की मजार नबी करीम की चिन्नौर बस्ती में है। 1996 में यहां पहले से बने शौचालय को हटाकर उच्च न्यायालय के दखल से जौक की मजार को फिर से सम्मानित तरीके से स्थापित किया गया। यह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एसएसआई) का स्मारक है। शेख इब्राहीम जौक का जन्म 1789 में दिल्ली के काबुली दरवाजा निवासी एक सिपाही शेख रमजान के घर हुआ था। इनमें शुरू से ही शायरी के प्रति

दीवानगी थी और बड़े होकर मात्र 19 साल की उम्र में बहादुर शाह जफर के दरबार में उस्ताद की पदवी मिली। जौक कबी सुल्तान के दरबार में महज चार रुपये माह के वेतन पर मुलाजिम हुआ करते थे। बाद में जब जफर सत्ता पर काबिज हुए तो उनका वेतन चार रुपये से बढ़ाकर सौ रुपये कर दिया गया। जिस वक्त देश में आजादी को लेकर पहली क्रांति जन्म ले रही थी उस वक्त तक जौक दरबार में बतौर शाही शायर रहे। जौक की शायरी की सबसे खास बात थी कि उनके हर कलाम में बेहद आम और हल्के फुल्के शब्द हुआ करते थे।

एक आंसू ने डुबोया मुझको उनकी बन्म में। बूंद भर पानी से सारी आबरू पानी हुई।। यही वजह थी कि उनके कलाम जल्द ही लोगों को समझ में आ जाता करते थे। वो तुरंत गजल कहने में माहिर थे। 1854 में शायरी की दुनिया का यह चमकता सितारा आसमान में कहीं खो गया। जौक के कुछ शेर इन दिनों घर-घर दक्कन में हैं बड़ी क़द-ए-सुखन। कौन जाए जौक, दिल्ली की गलियां छोड़ कर।। जब तक मिले न थे जुदाई का मलाल था। अब ये मलाल है कि तमन्ना निकल गई।।



प्रबंधक की हत्या करने वाले आरोपितों के बारे में जानकारी देते एसएसपी वैभव कृष्ण।

जागरण

पटनीश कुमार की टीम ने मामले में सीसीटीवी से अहम सुराग हासिल किया। इसके आधार पर पुलिस ने प्रबंधक आजाद के ममेरे भाई परविंदर को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने बताया कि उसने कुछ दिनों पहले आजाद से दस हजार रुपये उधार लिए थे। आजाद उस पर रुपये पैसे वापस करने का दबाव बना रहा था। आरोपित ने बताया कि 20 जून को परविंदर ने उधार के रुपये वापस देने की बात कहकर दर्ज करवाया था। बादलपुर कोतवाली प्रभारी

जहां परविंदर के तीन साथी चमनलाल, दीपक और सुनील पहले से मौजूद थे। आरोपितों ने पहले आजाद को शराब पिलाई। जिसके बाद उसके बैग से उसके लॉकर की चाबी निकाल ली। इसके बाद आरोपित चाबी लेकर कंपनी से दस हजार रुपये उधार लिए थे। आजाद उस पर रुपये पैसे वापस करने का दबाव बना रहा था। आरोपित ने बताया कि 20 जून को परविंदर ने उधार के रुपये वापस देने की बात कहकर दर्ज करवाया था। बादलपुर कोतवाली प्रभारी

पात्रता के फेर में फंसे देश के करीब 12 लाख शिक्षक

कानूनी पेच ► बिहार से शुरू हुई समस्या, दूसरे राज्यों में भी होने लगी सुगबुगाहट

18 माह के प्रशिक्षण को शिक्षकों की न्यूनतम अर्हता में नहीं किया गया शामिल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

देश के करीब बाह्र लाख अप्रशिक्षित शिक्षकों ने तय समय में नया प्रशिक्षण पूरा करके भले ही अपनी मौजूदा नौकरी को जाने से बचा लिया है, लेकिन भविष्य की उनकी राहें फिलहाल बंद हैं। वजह स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षकों को एनसीटीई (राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद) की अर्हता का एक नियम है। इसके तहत दो साल का डीईएलएड (डिप्लोमा इन एलिमेंटरी एजुकेशन) करने वाले ही इसके पात्र हैं। ऐसे में 18 महीने का विशेष डीईएलएड कोर्स करने वाले इन लाखों शिक्षकों के सामने एक नई समस्या खड़ी हो गई है। वह इस कोर्स के आधार पर कहीं दूसरी जगह नौकरी नहीं कर सकते हैं।

हालांकि इस सब के बीच देश भर के इन अप्रशिक्षित शिक्षकों को यह विशेष कोर्स कराने वाली मानव संसाधन विकास मंत्रालय की संस्था एनआइओएस (राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान) उनके साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। संस्था का कहना है कि इनकी डीईएलएड के कोर्स में कोई कमी नहीं है। वह डीईएलएड के दो साल के कोर्सों जैसी ही है। सरकार ने शिक्षकों के शिक्षण अनुभव को देखते

भारत -चीन को मिलकर क्षेत्र में शांति और स्थिरता कायम करनी चाहिए

नई दिल्ली, प्रे़ट : चीन के राजदूत सुन वीडांग ने मंगलवार को यहां कहा कि भारत और चीन को आपसी विवादों को क्षेत्रीय स्तर पर बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों को क्षेत्र में शांति और स्थिरता कायम करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दूसरी अनौपचारिक शिखर वार्ता के लिए चीनी राष्ट्रपति शी चिनपिंग की भारत यात्रा से पहले चीनी राजदूत ने मीडिया से बातचीत में यह भी कहा कि दोनों देशों को पंचशील के सिद्धांतों पर कायम रहना चाहिए। उल्लेखनीय है कि चीन के राष्ट्रपति चिनफिंग शुक्रवार को चेन्नई पहुंचेंगे। शनिवार को तमिलनाडु के ऐतिहासिक शहर मामल्लापुर (महाबलीपुरम) में दोनों नेताओं की मुलाकात होगी। अभी तक चिनफिंग की यात्रा को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन मामल्लापुर में शिखर बैठक को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मामल्लापुर शिखर सम्मेलन में दोनों नेताओं के बीच बातचीत आपसी विकास को सुनिश्चित करने के साथ ही समग्र संबंधों को विस्तार देने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर केंद्रित रहेगी।

खाली पड़ी सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा करेंगी निजी एजेंसियां

नई दिल्ली, प्रे़ट : केंद्रीय आवास और शहरी मामलों का मंत्रालय दिल्ली में खाली पड़ी सरकारी जमीन, बंगलों और फ्लैट को कब्जों से बचाने के लिए निजी सुरक्षा एजेंसियों की सेवाएं लेगा। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) को निजी सुरक्षा एजेंसियों के चयन की तैनाती का काम सौंपा गया है। सुरक्षाकर्मियों में पूर्व सैनिकों को वरीयता दी जाएगी।

सूत्रों ने बताया कि एजेंसियों को सुरक्षाकर्मियों की तैनाती से पहले उनका सत्यापन दिल्ली पुलिस से करना होगा। उसके बाद ही उन्हें खाली पड़े सरकारी बंगलों, जमीन और फ्लैटों में तैनात किया जाएगा। सुरक्षा एजेंसियों को एक साल के लिए नियुक्त किया जाएगा और इन्हें खाली पड़ी संपत्ति की सुरक्षा के लिए चौबीस घंटे दो सुरक्षाकर्मियों को तैनात करना होगा। बता दें कि दिल्ली में ऐसी हजारों खाली पड़ी संपत्तियां हैं, जहां अक्सर अतिक्रमण की शिकायत मिलती हैं। उन्हें कब्जे से बचाने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

सूत्रों के मुताबिक सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के बावजूद अगर संपत्ति पर कब्जा होता है तो



प्रतीकात्मक फोटो

हुए उन्हें रहत देते हुए 18 महीने में करया है। जिसे एनसीटीई की भी मंजूरी है। ऐसे में वह इसके आधार पर कहीं भी नौकरी करने के लिए पात्र हैं। वहीं इस विवाद के बढ़ने पर एनसीटीई ने चुप्री साध ली है। खास बात है कि अप्रशिक्षित शिक्षकों के इस प्रशिक्षण में निजी और सरकारी दोनों ही स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षक शामिल थे। इनमें बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश के सबसे ज्यादा थे।

वहीं इस पूरे विवाद की शुरुआत भी बिहार में शिक्षकों की भर्ती से शुरू हुई। इस दौरान निजी स्कूलों में पढ़ाने वाले उन शिक्षकों ने भी इसके लिए आवेदन किया, जिन्होंने सरकार के इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत एनआइओएस से 18 महीने का डीईएलएड कोर्स किया था। इस बिहार सरकार ने एनसीटीई से इसे लेकर सलाह मांगी, तो एनसीटीई ने सीधे तौर पर कुछ कहे बगैर स्कूली शिक्षकों की अर्हता को लेकर पूर्व में जारी की गई गाइडलाइन उन्हें भेज दी, लेकिन इनमें कहीं भी 18 महीने के डीएलएड कोर्स करने वालों का जिक्र नहीं था।

रैंक से नीचे के काम देने पर सीआरपीएफ में विवाद

नई दिल्ली, एएनआइ : सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) के अधिकारियों के लिए जारी किए गए संकुलर पर अथ खासा विवाद हो गया है। कुल 132 प्रोबेशनरी आइपीएस अफसरों के लिए आयोजित एक कार्यक्रम के लिए इस संकुलर में सीआरपीएफ अफसरों को उनको रैंक से कमतर काम सौंपे गए हैं। इसे लेकर सोशल मीडिया पर भी विरोध और नाराजगी जताई गई है।

संकुलर में बताए गए कार्यक्रम के दौरान आइपीएस प्रोबेशनरी अफसरों को सीआरपीएफ के महानिदेशक आरआर भटनागर से बात करनी थी। नाम न बताने की शर्त पर एक सीआरपीएफ अधिकारी ने कहा कि नए शासनादेश से ‘रूढ़िवादी मानसिकता’ की झलक मिल रही है।

अफसरों ने दावा किया कि असिस्टेंट कमांडेंट रैंक के अफसर को कार्यक्रम में स्वच्छता का प्रबंधन, खाने का इंतजाम देखने के लिए हैं। इन्हें कैंटीन को सहयोग देते हुए खाली कटोरियों को हमेशा फूड आइटम से भरे रखना, पानी की बोतलों व टॉपी आदि का इंतजाम देखना होगा। इस संकुलर को लेकर दिवटर पर कई प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। इनमें कहा गया है कि सीआरपीएफ अधिकारियों के

सिपीडब्ल्यूडी को दी गई सुरक्षा एजेंसियों के चयन को जिम्मेदारी



प्रतीकात्मक फोटो

एजेंसी को जमीन, बंगले या फ्लैट पर अवैध कब्जा रहने तक हर दिन 1000 रुपये का जुर्माना देना होगा। अनुमान के मुताबिक सुरक्षा एजेंसी की नियुक्ति के लिए 93 लाख रुपये की जरूरत होगी। जिन गाईडों को इन संपत्तियों का तैनात किया जाएगा, उन्हें कम से कम तीन साल का अनुभव होना चाहिए। सूत्रों के मुताबिक एक बार एजेंसी को काम पर रखने के बाद उसे प्रत्येक दिन गाईडों को तैनाती का विवरण देना होगा। इतना ही नहीं गाईडों के आचरण और व्यवहार के लिए भी एजेंसी जिम्मेदार होगी।

हर साल 15 अगस्त तक विदेशी छात्रों को प्रवेश की दे दी जाए सूचना

माला दीक्षित, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को प्रायोजित श्रेणी में एमबीबीएस प्रवेश मामले में निर्देश दिया है कि वह हर साल प्रवेश की अंतिम तिथि से कम से कम 15 दिन पहले चर्चानित विदेशी छात्रों को प्रवेश की सूचना देगी। कोर्ट ने कहा है कि केंद्र सरकार प्रत्येक वर्ष प्रवेश के लिए छात्रों के नाम मंजूर किए जाने की सूचना छात्रों को 15 अगस्त तक दे देगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्देश इसलिए दिए ताकि देर से सूचना पाने के कारण विदेशी छात्र प्रवेश से वंचित न रह जाएं। इसके साथ ही कोर्ट ने अंतिम तिथि बीतने के बाद सात विदेशी छात्रों को एम्स में प्रवेश देने का आदेश दिया।

यह मामला प्रायोजित श्रेणी से विकसित देशों के छात्रों को एम्स में एमबीबीएस कोर्स में प्रवेश का था। अंतिम तिथि बीतने के कारण एम्स द्वारा प्रवेश देने से मना किए जाने के बाद छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई थी। कोर्ट

इसके बाद से विवाद बढ़ गया है। अब यह बिहार के साथ दूसरे राज्यों में भी तूल पकड़ने लगा है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय से जुड़े सूत्रों की मानें तो इसे लेकर मंत्रालय ने यदि जल्द ही हस्तक्षेप कर एनसीटीई की अर्हता में बदलाव

एमबीबीएस प्रवेश मामले में सुप्रीम कोर्ट का केंद्र सरकार को निर्देश

कोर्ट के आदेश पर सात विदेशी छात्रों को प्रवेश की अंतिम तिथि बीतने के बाद एम्स में एमबीबीएस के कोर्स में मिला दाखिला

गए सात विदेशी छात्रों में तीन लड़कियां और चार लड़के हैं। जिनमें से एक ईरान, दो भूटान और चार नेपाल के हैं।

जरिस्टस एल. नागेश्वर राव व जस्टिस हेमंत गुप्ता की पीठ ने वकीलों की दलीलें सुनने के बाद उपरीक्त आदेश दिए। ईरानी छात्र आरोपी किगनी के वकील आरके गुप्ता ने कोर्ट से एम्स को प्रवेश लेने का आदेश देने की मांग करते हुए कहा कि विदेश मंत्रालय ने 30 अगस्त को प्रवेश के लिए छात्रा का नाम मंजूर होने की सूचना भेजी थी। विदेश से यहां आने में समय लगता है। जब छात्रा दो सितंबर को प्रवेश लेने एम्स पहुंची तो एम्स ने यह कहते हुए मना कर दिया कि प्रवेश की

नहीं किया, तो यह विवाद देश भर में तेजी से फैल सकता है।

गौरतलब है कि इन सभी शिक्षकों को यह खास प्रशिक्षण शिक्षा के अधिकार (आरटीई) के उन प्राधान्यों के तहत दिया गया है, जिसमें

सीबीडीटी चेयरमैन पर आरोप लगाने वाली शीर्ष कर अधिकारी प्रोन्नत

नई दिल्ली, प्रे़ट : केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन पर तंग करने का आरोप लगाने वाली 1984 बैच की भारतीय राजस्व सेवा की अधिकारी को विशेष सचिव के बराबर के शीर्ष ग्रेड में प्रोन्नत किया गया है।

सरकारी आदेश के मुताबिक, मुंबई में आयकर इकाई-2 की मुख्य आयुक्त अलका त्यागी ने कथित तौर पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर सीबीडीटी के चेयरमैन प्रमोद चंद्र मूडी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए थे। पत्र में अलका त्यागी का कहना था कि मूडी ने पूर्व में खुद ही उनके खिलाफ सतर्कता सूच के एक मामले का निपटारा किया था, लेकिन अब वह ही उस मामले का इस्तेमाल उनकी पोरिटिंग रोकने के लिए ब्लैकमेल के हथियार के तौर पर कर रहे हैं। सीबीडीटी के तीन अक्टूबर के आदेश के मुताबिक, सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बाद अलका त्यागी को प्रमुख मुख्य आयकर आयुक्त (लेवल 17) के ग्रेड में प्रोन्नत कर दिया गया है।

उन्हें नागपुर स्थित राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी में प्रमुख आयकर महानिदेशक (प्रशिक्षण) बनाया गया है। एक अधिकारी ने कहा, प्रोन्नति ‘पुराने पाणों के धुलने’ के समान होती है क्योंकि किसी को प्रोन्नति तभी मिलती है जब उसे सतर्कता विभाग से हरी झंडी मिल जाती है।

कांग्रेस हाईकमान कर्नाटक में सिद्दरमैया को बनाना चाहता है नेता विपक्ष

संजय मिश्र, नई दिल्ली

कर्नाटक में पार्टी के पुराने दिग्गजों के एतराज के बाद भी कांग्रेस हाईकमान के लिए पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरमैया को नजरअंदाज करना मुश्किल हो रहा है। सूबे में पार्टी का सियासी प्रभाव कायम रखने के लिए हाईकमान को सिद्दरमैया से बेहतर कोई दूसरा विकल्प नजर नहीं आ रहा है। इसीलिए कांग्रेस नेतृत्व ने सिद्दरमैया को कर्नाटक में विपक्ष का नेता बनाने का मन लगभग बना लिया है। सूत्रों के अनुसार, गुटों में बंटी कर्नाटक कांग्रेस के तमाम नेताओं से विचार-विमर्श और जमीनी फीडबैक लेने के बाद हाईकमान का साफ आकलन है कि भाजपा की आक्रामक सियासत और मुख्यमंत्री येंदिरुप्पा से मुकाबले के लिए सिद्दरमैया से ज्यादा प्रभावी पार्टी का कोई दूसरा नेता नहीं है। हालांकि मल्लिकार्जुन खड़गे, वीरप्पा मोइली, पूर्व उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वरर ही नहीं बल्कि गांधी परिवार के नेता भी माने जाने वाले युनियनप जैसे वरिष्ठ नेता भी सिद्दरमैया को नेता विपक्ष बनाए जाने पर एतराज जता रहे हैं।

अंतिम तिथि 31 अगस्त बीत चुकी है। गुप्ता ने कहा कि छात्रा की कोई गलती नहीं है फिर भी उसे प्रवेश नहीं दिया गया। उन्होंने पीठ को गत वर्ष का आदेश दिखाया जिसमें कोर्ट ने ऐसे ही विदेशी छात्रों को प्रवेश के लिए तिथि बढ़ाई थी। नेपाल और भूटान के छात्रों की ओर से भी यही दलीलें दी गईं। कोर्ट ने बहस सुनने के बाद कहा कि इस साल और पिछले साल की घटनाओं को देखते हुए कोर्ट का यह मानना है कि प्रायोजित श्रेणी के विदेशी छात्रों को सरकार को प्रवेश की अंतिम तिथि से कम से कम 15 दिन पहले सूचना देनी चाहिए। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो प्रत्येक वर्ष 15 अगस्त तक सूचना दे दी जानी चाहिए। कोर्ट ने कहा है कि इस संबंध में संबंधित देश और संबंधित राज्यों की अथारिटी को उम्मीदवारों के बारे में पूर्व सूचना दी जानी चाहिए। मालूम हो कि एमएमबीबीएस प्रवेश के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने प्रवेश का शिड्यूल तय कर रखा है जिसके मुताबिक, प्रवेश की अंतिम तिथि 31 अगस्त है।

2014 के बाद वह बगैर प्रशिक्षण के नहीं पढ़ा सकते थे। हालांकि यह काम 2014 तक जब नहीं हो पाया, तो सरकार ने संसद में आरटीई में संशोधन कर इसे पूरा करने मार्च 2019 तक का लक्ष्य रखा था। जो अब हो पूरा गया है।

शहरों का अनियोजित विकास है बाढ़ का मुख्य कारण : जावडेकर

नई दिल्ली, प्रे़ट : केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन के बजाय अनियोजित शहरीकरण से देश के कई हिस्सों में बाढ़ का कहर देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि ‘विरासत में मिली’ इस गलती को सरकार अपने स्मार्ट सिटी योजना से सुधार रही है।

जावडेकर ने यहां पीटीआइ मुख्यालय में समाचार एजेंसी के पत्रकारों से कहा कि शहर बेहतर ढंग से नियोजित होने चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मंत्री ने कहा, ‘यह कहना विज्ञान नहीं है कि ये (बाढ़) जलवायु परिवर्तन के चलते हुआ। बल्कि सच ये है कि देश में अनियोजित ढंग से विकास हुआ है। हमने समुचित निकास प्रणाली सुनिश्चित करते हुए चंडीगढ़, फिर गांधीनगर (गुजरात) की योजना बनाई। दूसरे शहरों में ऐसा नहीं हुआ।’

उन्होंने कहा, ‘अनियोजित विकास से चिंताएं बढ़ रही हैं, इसलिए शहरी नियोजन बेहद महत्वपूर्ण है।’ आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार इस मानसून सत्र के दौरान बारिश और बाढ़ में करीब 1900 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी और 46 लोग लापता हैं और

भाजपा -येंदिरुप्पा को टक्कर देने के लिए पूर्व सीएम ही लग रहे सबसे प्रभावी चेहरा, राज्य के दिग्गजों को एतराज



सिद्दरमैया फाइल फोटो

सिद्दरमैया को कांग्रेस विधायक दल का नेता बनाकर नेता विपक्ष बनाने की पहल का विरोध कर रहे इन नेताओं का तर्क है कि पूर्व मुख्यमंत्री ने बीते करीब 10 साल से कर्नाटक कांग्रेस को खड़गे, वीरप्पा मोइली, पूर्व उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वरर ही नहीं बल्कि गांधी परिवार के नेता भी माने जाने वाले युनियनप जैसे वरिष्ठ नेता भी सिद्दरमैया को नेता विपक्ष बनाए जाने पर एतराज जता रहे हैं।

पनामा पेपर्स मामले में कर चोरों के नाम गुप्त रख सकता है ईडी

► केंद्रीय सूचना आयोग ने किया प्रावधान

नई दिल्ली, प्रे़ट : केंद्रीय सूचना आयोग ने स्थापित किया है कि पनामा पेपर्स लोक मामले में प्रवर्तन निदेशालय कर चोरी करने के आरोपितों के नाम को अपने तक सीमित रख सकता है। सूचना आयुक्त बिमल जुल्का ने कहा कि इस मामले के तथ्यों और दोनों पक्षों की दलीलों के आधार पर जवाबदेह जनप्रशासन आरटीआइ अधिनियम, 2005 की धारा 24(1) के तहत इस मामले में अब और दखल की जरूरत नहीं है।

दुर्गा प्रसाद चौधरी की आरटीआइ याचिका में केंद्रीय जांच एजेंसी से कोई संतोषजनक जवाब न मिलने पर केंद्रीय सूचना आयोग ने यह फैसला सुनाया है। वर्ष 2017 में चौधरी ने पनामा पेपर्स के मामले में तीन बिंदुओं पर जानकारी मांगी थी। पहला : सूची में शामिल लोगों के नाम, दूसरा : लोक पर की गई कार्रवाई और तीसरा : जांच में देरी के लिए जिम्मेदार अफसर। जब जांच एजेंसी ने धारा 24 (1) के तहत मामले की जानकारी देने से इन्कार किया तो यह मामला आरटीआइ मामलों की सर्वोच्च संस्था में पहुंच गया।

मामले की सुनवाई के दौरान चौधरी ने कहा कि उच्च स्तर पर भ्रष्टाचार का यह गंभीर मामला है। उसके बाद भी उन्हें कोई जानकारी नहीं दी गई है। उन्होंने आयोग का ध्यान पनामा मामले

शहरों का अनियोजित विकास है बाढ़ का मुख्य कारण : जावडेकर

► कहा, स्मार्ट सिटी से दूर होगी समस्या



फाइल फोटो

जिससे 22 राज्यों में 25 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। जावडेकर ने कहा कि चंडीगढ़ में भवन बनाते समय जो नियम लागू होते हैं, वही नियम दूसरे शहरों में भी भवन बनाते समय लागू होने चाहिए।

केंद्रीय मंत्री के मुताबिक, ‘ये विरासत से मिली समस्या है। लुटियंस दिल्ली 130 साल पुरानी है। इसके बाद चंडीगढ़ बना... चंडीगढ़ के बाद दूसरे शहर तैयार हुए। केंद्रशासित क्षेत्र चंडीगढ़ को

जलवायु परिवर्तन पर नतीजों को किया खारिज

केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर ने हाल में आए जलवायु परिवर्तन के मामले पर अंतर-सरकारी पैनल की रिपोर्ट के नतीजों को भी खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि समुद्र का जलस्तर बढ़ने के चलते 2100 तक भारत के मुंबई जैसे शहर और अइमान-निकोबार जैसे द्वीप क्रमिक रूप से निर्जन हो जाएंगे।

बनाने के लिए जिन नियमों का पालन किया गया, उन्हें दूसरे शहर बनाते समय भी लागू किया जाना चाहिए था। जावडेकर ने कहा कि ‘दुर्भाग्य से हमने वह आधार खो दिया। महत्वपूर्ण लोगों ने इस पर कोई ध्यान ही नहीं दिया।’ उन्होंने कहा कि मोदी सरकार अब अपने स्मार्ट सिटी कार्यक्रम और विकास के अन्य उपायों जरिये अनियोजित विकास की समस्या का समाधान कर रही है।

चुनाव आयोग के संशोधन प्रस्ताव पर विचार कर रहा है कानून मंत्रालय

नई दिल्ली, प्रे़ट : कानून मंत्रालय आवेदकों और पहलें से ही मौजूद मतदाताओं के आधार डाटा संग्रह को वैधानिक समर्थन देने के चुनाव आयोग के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। आयोग ने मतदाता सूची में दोहराव रोकने को यह प्रस्ताव किया है। अगस्त 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने आधार कार्ड के संबंध में दिए गए आदेश में यूआइडीएआई (आधार) संख्या को मतदाताओं के चुनाव डाटा के साथ जोड़ने की परियोजना पर रोक लगा दी थी। मतदाता सूची में दोहराव रोकने को चुनाव आयोग उस समय अपने राष्ट्रीय मतदाता सूची शुद्धीकरण एवं प्रमाणिकरण कार्यक्रम के तहत आधार नंबर जुटा रहा था।

हाल ही में कानून मंत्रालय को भेजे पत्र में आयोग ने जनप्रतिनिधित्व कानून में संशोधन का प्रस्ताव किया है। आयोग ने मतदाता बनने के लिए आवेदन करने वालों और जो मतदाता सूची में शामिल हैं उनसे आधार नंबर लेने की अनुमति देने की मांग की गई है। सूत्रों ने कहा, कानून मंत्रालय चुनाव कानून में बदलाव के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है।

एक अधिकारी ने कहा, ‘कार्रवाई की जा रही है।’ आयोग के प्रस्ताव के अनुसार, मतदाता पंजीकरण कार्यालय को मतदाताओं के साथ ही सूची में नाम दर्ज कराने का आवेदन करने वालों से आधार नंबर मांगने का अधिकार देने के लिए चुनाव कानून में संशोधन होना चाहिए। मतदाता सूची में दोहराव रोकने और उसे शुद्ध बनाने के लिए आयोग ने आधार नंबर को मतदाताओं के चुनाव आंकड़े से जोड़ने का कदम उठाया था। कोर्ट के फैसले से इस पर रोक लग गई है इसीलिए आयोग ने कानून में संशोधन का प्रस्ताव किया है।

THE STUDY

इतिहास

नव विचारधारा

नव विचारधारा

OPEN LECTURE

11 OCTOBER

8:00 AM

की हित वाली इस योजना को राज्य में लागू करने का आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि बंगाल के 70 लाख से अधिक किसानों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। किसानों ने पोर्टल पर अपने नाम दर्ज कर लिए।’ हालांकि, योजना का लाभ किसानों तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार की अनुमति जरूरी है। कृषि मंत्री ने इस बावत बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एक बार फिर पत्र लिखकर किसानों

हॉट सीटों पर होंगे कड़े मुकाबले, टकराएंगे सूरमा

सुधीर तंवर, चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा के लिए चुनावी दंगल सज गया है। जिसे मैदान छोड़ना था, वे सियासी रण से हट चुके हैं। बागी प्रत्याशियों के रूठने-मनाने का दौर भी अब खत्म हुआ। चुनावी शतरंज की बिसात पर 1168 'मोहरें' बचे हैं, जो विधानसभा में पहुंचने के लिए कोई कसर छोड़ने को तैयार नहीं। प्रत्याशियों की भीड़ छंटेते ही 90 सीटों पर मुकाबले की तस्वीर साफ हो गई है। पिछली बार के मुकाबले इस बार 183 प्रत्याशी कम हैं, लेकिन मुकाबला कहीं पर भी आसान नहीं।

यूं तो प्रदेश की सभी 90 विधानसभा सीटों में से अधिकतर पर कांटे के मुकाबले तय हैं, लेकिन करीब दो दर्जन हॉट सीट ऐसी हैं जो अचानक सुर्खियों में आ गई हैं। सभी की निगाहें इन पर टिकी हैं। सीएम सिटी करनल में मुख्यमंत्री मनोहर लाल मैदान में हैं, जिनके खिलाफ इनेलो ने कोई प्रत्याशी नहीं उतारा। यहां चर्चा जीत-हार की नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री की जीत के अंतर को लेकर हो रही है।

पहलवान योगेश्वर व बबीता और हॉकी खिलाड़ी संदीप के उतरने से सुर्खियों में बरोदा, दादरी और पिहोवा सीट



पिहोवा सीट से उम्मीदवार संदीप सिंह। फाइल

करनल में मुख्यमंत्री की जीत के अंतर पर घमासान, गढ़ी-सांपला में हुड़डा का किला भेदने के प्रयास में भाजपा



दादरी से मैदान में हैं बबीता फोगाट। फाइल

वाढड़ा में आमने-सामने बंसी और चौटाला परिवार, सुखविंद ने मुकाबला बनाया त्रिकोणीय



बरोदा से भाग्य आजमा रहे योगेश्वर दत्त। फाइल

हॉट सीट वाढड़ा में त्रिकोणीय मुकाबला है जहां पूर्व मुख्यमंत्री बंसीलाल के बड़े बेटे रणवीर महेंद्रा कांग्रेस प्रत्याशी हैं। जननायक जनता पार्टी ने यहां से पूर्व सांसद दुष्यंत चौटाला की माता नैना चौटाला को उतारा है, जबकि भाजपा के सुखविंद मांड़ी बदले सियासी

सोनीपत के बरोदा में ओलंपियन योगेश्वर दत्त, दादरी में अंतरराष्ट्रीय पहलवान बबीता फोगाट और कुरुक्षेत्र के पिहोवा में भारतीय

हॉकी टीम के पूर्व कप्तान संदीप सिंह भाजपा के टिकट पर चुनावी रण में हैं, जिस कारण यह तीनों सीटें राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आ गई हैं। तीनों खिलाड़ियों की जीत को प्रतिष्ठा का सवाल बनाकर चले रही भाजपा की रणनीति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद 15 अक्टूबर को दादरी में बबीता फोगाट और संदीप सिंह के लिए कुदृश्या में रैली करने पहुंच रहे हैं। इससे पहले योगेश्वर दत्त के लिए उत्तर प्रदेश के

हुंकार ► चुनाव की घोषणा के बाद गृह मंत्री ने महाराष्ट्र में बीड में पहली रैली को किया संबोधित

पहले की सरकारें नहीं कर पाईं, लेकिन मोदी ने बनाया ओबीसी आयोग : शाह

कहा, लोगों ने मोदी जी को 300 सीटें दीं, उन्होंने तीन महीने में अनुच्छेद 370 हटा दिया

बीड, प्रे्ट : केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने मंगलवार को दशहरा रैली में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओबीसी आयोग का गठन करके लगातार वंचितों और पिछड़े वर्ग के लोगों की समस्याओं का निदान करने में जुटे हुए हैं, जबकि बीते 70 साल में पिछली सरकारें यह नहीं कर पाईं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के लिए भी प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ की।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद बीड जिले के सावरगांव में पहली रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, 'पिछली सरकारों ने पिछले 70 साल में अन्य पिछड़े वर्गों के लिए कुछ भी नहीं किया। यह मोदी हैं, जिन्होंने संवैधानिक ढांचे के जरिये उनकी समस्याओं का निदान करने के लिए ओबीसी आयोग का गठन किया। आज मोदी सरकार देश में वंचितों और पिछड़े वर्गों के लिए काम कर रही है।' अनुच्छेद 370 को लेकर मोदी की प्रशंसा करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर का भारत के साथ विलय किया।



महाराष्ट्र के बीड जिले के सावर गांव में रैली के दौरान गृह मंत्री व भाजपा अध्यक्ष अमित शाह, कैबिनेट मंत्री पंकजा मुंडे व अन्य। प्रे्ट

उनका काम क्षेत्र (मराठवाड़ा) के हर घर तक पहुंचना चाहिए। आपने मोदी जी को 300 सीटें (लोकसभा चुनाव में) दीं, उन्होंने सिर्फ तीन महीने में अनुच्छेद 370 हटा दिया। अब लोगों को विपक्ष से पृष्ठना चाहिए कि वे अनुच्छेद 370 क्यों नहीं हटा पाए थे।' शाह ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार कई विकास परियोजनाओं पर काम कर रही है।

370 तोपों की सलामी देकर शाह का किया स्वागत
बीड में दशहरा कार्यक्रम का आयोजन कैबिनेट मंत्री पंकजा मुंडे ने किया था। उन्होंने 370 तोपों की सलामी देकर और 370 झंडे लहराकर शाह का स्वागत किया। लोगों को संबोधित करते हुए पंकजा ने कहा, 'यहां मौजूद लोगों को गन्ने की फसल उगाने के लिए और अपनी रोजी-रोटी कमाने के लिए हाथों में हंसिया लेना पड़ता है। अगले पांच साल में किसी को भी अपनी आजीविका कमाने के लिए यह काम नहीं करना पड़ेगा।'

...जब तीन विधायकों पर सिमट गई कांग्रेस, 38 सीटों पर जमानत जब्त

सुधीर तंवर, चंडीगढ़

हरियाणा गठन के बाद हर चुनाव अपने दम पर लड़ती आ रही कांग्रेस पिछले पांच दशकों में कभी अंश पर तो कभी पर्श पर पहुंची। वरिष्ठ और पुराने नेताओं के झरोखे से इतिहास लिखा जा रहा है। कांग्रेस के लिए मौजूदा विधानसभा चुनाव चुनौतीपूर्ण साबित होने वाला है। प्रदेश में सर्वाधिक समय तक सत्ता में रही कांग्रेस ने सबसे बुरा दौर 1977 में देखा, जब आपातकाल के बाद हुए विधानसभा चुनावों में पार्टी तीन सीटों पर ही जीत सकी। 38 सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशियों की जमानत जल्द ही गई और पार्टी को सिर्फ 17.15 फीसद वोट मिले। तब जनता पार्टी को रिकॉर्ड तोड़ 75 सीटें मिली थीं और देवी लाल मुख्यमंत्री बने थे।

कांग्रेस ने 1987 में भी कुछ ऐसा ही दौर देखा जब 90 सीटों पर केवल पांच

1977 के अलावा 1987 और 1996 में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को मिली थीं दस से कम सीटें

पार्टी में गुटवाजी और बड़े नेताओं के दलबदल से बढ़ती दिख रही कांग्रेस की मुश्किलें

उम्मीदवार ही जीत सके। आठ प्रत्याशियों की जमानत जल्द हुई और पार्टी को 29.18 फीसद वोट मिले। इसी तरह 1996 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस केवल नौ सीटों पर सिमट गई और 35 उम्मीदवार जमानत गंवा बैठे। इस दौरान पार्टी को सिर्फ 20.82 फीसद वोट मिले।

पहले और दूसरे चुनाव में यह रही स्थिति : चुनावी इतिहास की बात करें तो वर्ष 1967 में हुए हरियाणा विधानसभा के पहले और 1968 में हुए दूसरे चुनावों में कांग्रेस ने 81 में से 48-48 सीटें जीती थीं। 1972 में पार्टी के 52

2009 में हजकों विधायकों के दम पर बनाई सरकार
पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के एडवोकेट हेमंत कुमार ने बताया कि 1982 में पार्टी को 36 और 2000 में 21 सीटें मिलीं। वर्ष 2009 में कांग्रेस को 40 सीटें मिली थीं, लेकिन हजका विधायकों के दम पर पार्टी सरकार बनाने में सफल रही। वर्ष 2014 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस 15 सीटों पर सिमट गई थी और 37 उम्मीदवारों ने जमानत गंवाई।

उम्मीदवार जीते और प्रदेश में सरकार बनाई। पार्टी का सबसे बढ़िया प्रदर्शन वर्ष 2005 में रहा, जब 67 सीटें जीतीं और 42.46 वोट के साथ सरकार बनाई। वर्ष 1991 के चुनावों में कांग्रेस ने 51 सीटें जीतीं, जबकि 11 उम्मीदवारों को जमानत गंवानी पड़ी।

आज शाह की तीन रैलियां
शाह बुधवार से बुधआंश प्रचार अभियान शुरू करेंगे। पहले दिन उनकी कैथल, लोहार और महम में रैलियां रखी गई हैं। कैबिनेट की बैठक के चलते बरवाला रैली स्थगित करनी पड़ी है। आज 14 अक्टूबर को मोदी के साथ फिर हरियाणा आएंगे। इस दिन वह बल्लभगढ़ में दक्षिण हरियाणा की रैली करेंगे तो शाह टोहाना, पंचकुला, करनाल और गुरुग्राम के बादशहपुर में रैलियां कर पार्टी उम्मीदवारों के लिए माहौल बनाएंगे।

विधानसभा चुनावों की तैयारी शुरू कर दी थी, जिसका असर मौजूदा समय में साफ नजर आ रहा है। पीएम मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने छह महीने पहले ही मुख्यमंत्री मनोहर लाल से फोडबैक लेकर होमवर्क शुरू कर दिया था। मोदी-शाह की जोड़ी ने ग्राउंड रिपोर्ट को आस्था बनाते हुए प्रत्याशियों के नामों पर मुहर लगाई।

जिताऊ चेहरों के लिए भाजपा ने दो कैबिनेट मंत्रियों सहित 12 विधायकों के टिकट काटने से

वागियों को मनाने में छूटे पसीने, 1168 योद्धा मैदान में
राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़ : हरियाणा विधानसभा के चुनावी रण के योद्धाओं के चेहरे साफ हो गए हैं। 523 प्रत्याशियों ने नामांकन वापस लेने के बाद अब मैदान में 1168 प्रत्याशी बचे हैं, जिनमें विधानसभा की 90 सीटों के लिए मुकाबला होगा। हालांकि, बागियों को मनाने में विभिन्न दलों के दिग्गजों के पसीने छूट गए। टिकट कटने से खफा होकर पत्नी अनीता का पर्चा भराने वाले भाजपा विधायक उमेश अग्रवाल ने अंतिम क्षणों में नामांकन वापस ले दिया। रेवाड़ी में भाजपा अपने विधायक रणधीर कापड़ीवास को नहीं मन पाई। अब वह निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे। वहीं, जजपा के तीन उम्मीदवारों ने भाजपा में शामिल होते हुए नामांकन वापस ले लिया। हिसार में संतोषब 118 उम्मीदवार बचे हैं, जबकि पंचकुला में सबसे कम 24 उम्मीदवार मैदान में हैं। प्रदेश में विधानसभा चुनावों के लिए 21 अक्टूबर को मतदान होना है, जबकि नतीजे 24 अक्टूबर को आएंगे। चुनावी मैदान के चेहरे साफ होने के साथ ही अब चुनाव प्रचार गति पकड़ेगा। 19 अक्टूबर को चुनाव प्रचार थम जाएगा। बता दें कि इस बार कुल 1846 उम्मीदवारों ने पर्चा भरा था, जिनमें छंटनी के दौरान 345 उम्मीदवारों की दावेदारी निरस्त हो गई।

गुजरात में सतह पर आई भाजपा और कांग्रेस नेताओं की नाराजगी

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद

गुजरात की छह विधानसभा सीटों पर 21 अक्टूबर को होने वाले उप चुनाव के प्रचार के दौरान भाजपा व कांग्रेस में टिकट वितरण को लेकर नेताओं की नाराजगी सतह पर आ गई है। पूर्व मंत्री शंकर चौधरी को टिकट नहीं मिलने से नाराज चौधरी समाज थराद, राधनपुर व बायड में भाजपा की मुश्किलें बढ़ा सकता है तो कांग्रेस के कई नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ ही मोर्चा खोल दिया है।

भाजपा नेता व पूर्व मंत्री शंकरभाई चौधरी को राधनपुर या थराद से टिकट मिलना तय माना जा रहा था। बताया जा रहा है कि उपमुख्यमंत्री नितिन राटल के हस्तक्षेप के चलते चौधरी का पत्ता कट गया। चर्चा यह भी है कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जीतू वाघाणी ने भी आपसी प्रतिद्विंदता के कारण चौधरी के मुंह पर पटेल का पर्चा खड़ा किया। दीपावली बाद गुजरात सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार संभावित है। कांग्रेस छोड़कर

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद



गुजरात की छह विधानसभा सीटों पर 21 अक्टूबर को होने वाले उप चुनाव के प्रचार के दौरान भाजपा व कांग्रेस में टिकट वितरण को लेकर नेताओं की नाराजगी सतह पर आ गई है।

भाजपा ने आए अल्पेश ठाकोर तथा चौधरी दोनों ही मंत्री पद को दौड़ में थे। अब चौधरी का पत्ता कटने से नाराज उनके समर्थक थराद व राधनपुर में भाजपा की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं। थराद में सोमवार देश शम आयोजित चुनावी सभा में कम उपस्थिति देख प्रचार करने पहुंचे सांसद परबत भाई पटेल भड़क गए। उन्होंने यहां तक कह दिया कि भाजपा को दो-तीन सीटें नहीं भी मिलती हैं तो क्या फर्क पड़ता है। बायड सीट पर राकांपा प्रमुख शंकरसिंह वाघेला के पुत्र एवं पूर्व विधायक महेंद्रसिंह वाघेला भाजपा प्रत्याशी का खेल बिगाड़ सकते हैं। अल्पेश के

करीबी धवलसिंह झाला यहां भाजपा के टिकट पर मैदान में हैं। महेद्र यहां से खुद चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन पैन मौके पर उन्हें सभ्ना-बुझा दिया गया। टिकट वितरण को लेकर कांग्रेस भी अंतर्कलह का शिकार है। अहमदाबाद की अमराईवाड़ी सीट को लेकर मुस्लिम नेता बदरुद्दीन शेख और खेरालू से पार्टी प्रवक्ता जयरज सिंह परमार टिकट न मिलने से नाराज हो गए थे। उधर, कांग्रेस ने सोशल मीडिया में प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा के खिलाफ पोस्ट करने पर मीडिया सेल के सदस्य जयेश गेडिया को पार्टी से बाहर कर दिया। चावड़ा के विरोधियों ने पार्टी आलाकमान तक संदेश पहुंचाया कि चावड़ा के कमजोर नेतृत्व के कारण ही पार्टी के साथ विधायक अलग हो गए। जीत के बावजूद 11 जिला पंचायतों में कांग्रेस अपना प्रमुख नियुक्त नहीं कर सकी और भाजपा ने उन पर कब्जा जमा लिया। 16 नगरपालिका व वडोदरा महानगरपालिका में भी कांग्रेस के साथ ऐसा ही हुआ।

उप में तीन दिन में 11 चुनावी जनसभाएं : योगी ने केवल महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव में माहौल बनाएंगे, बल्कि उत्तर प्रदेश विधानसभा की 11 सीटों पर हो रहे उपचुनाव के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। योगी तीन दिन में 11 चुनावी जनसभा संबोधित करेंगे। वह 15 अक्टूबर को काफ़ीर के गोविंदनगर, चित्रकूट के मानिकपुर, लखनऊ कैट और प्रतापगढ़ की सभा को संबोधित करेंगे।

हरियाणा विधानसभा चुनावों में 21 अक्टूबर को मतदान के दौरान अगर किसी भी अति संवेदनशील या संवेदनशील वृथों पर धांधली हुई तो आरोपित निर्वाचन विभाग की जद में आ जाएंगे। निर्वाचन विभाग आधुनिक तकनीक वाली वेब कास्टिंग के जरिये मतदान में होने वाली गड़बड़ियों को रोकेगा। प्रदेश में 3000 से अधिक अतिसंवेदनशील और संवेदनशील केंद्रों को सेंट्रलाइज्ड सर्वर के जरिये कैमरों से जोड़ा जाएगा। वह सर्वर मतदान केंद्र पर मौजूद चुनाव अधिकारियों के लैपटॉप या टैबलेट से जुड़े होंगे। मतदान केंद्रों पर कैमरे ऐसे स्थान पर लगें होंगे, जहां से हर गतिविधि का नजारा देखा जा सकेगा। अगर किसी मतदान केंद्र पर राजनीतिक दल के कार्यकर्ता या असामाजिक तत्व मतदान में गड़बड़ी करते हैं तो कैमरे में कैद होने के साथ ही तत्काल पुलिस प्रशासन की पकड़ में होंगे। कंट्रोल रूम में बैठे कर्मचारी सुबह से शाम तक मतदान केंद्रों का सीधा नजारा देख सकेंगे। अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ.

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

अति संवेदनशील और संवेदनशील मतदान केंद्रों पर वेब कास्टिंग से नजर रखेगा चुनाव आयोग
हरियाणा में 3000 से अधिक अतिसंवेदनशील और संवेदनशील केंद्र
इंद्रजीत के मुताबिक, मतदान में धांधली रोकने के लिए वेब कास्टिंग का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके लिए उन मतदान केंद्रों को विशेष तौर पर चुना गया है, जिन पर बीते चुनावों में एक्टरफा मतदान या गड़बड़ी की शिकायतें मिली थी।
यह है वेब कास्टिंग : वेब कास्टिंग में एक वीडियो कैमरा मतदान केंद्र में उस स्थान पर लगाया जाता है, जहां से पूरे केंद्र की गतिविधियां पर निगाह रखी जा सके। यह कैमरा सेंट्रलाइज्ड सर्वर से जुड़ा रहता है। इससे केंद्र की गतिविधियों का सीधा प्रसारण केंद्रीय निर्वाचन आयोग एवं राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारी देखते रहते हैं। अगर उन्हें केंद्र में या आसपास कोई अवांछित गतिविधि नजर आती है तो वे निर्वाचन अधिकारी एवं पुलिस अधिकारी को कार्रवाई के लिए सीधा निर्देश जारी करेंगे।

गठबंधन के सवालों पर बोले उद्धव, ...तो क्या देशद्रोही कांग्रेस का समर्थन करूं

राज्य ब्यूरो, मुंबई

इस बार महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा से कम सीटें पाकर भी गठबंधन करने पर उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने वाली भाजपा से गठबंधन न करता तो क्या इस निर्णय का विरोध करने वाली देशद्रोही कांग्रेस को समर्थन देता ?

उद्धव ने मंगलवार को शिवसेना की परंपरागत दशहरा रैली को संबोधित करते हुए याद किया कि अनुच्छेद 370 रहित जम्मू-कश्मीर उनके पिता और शिवसेना संस्थापक बालासाहब ठाकरे का सपना था। उद्धव ने यह भी याद किया कि उनके पिता अयोध्या में रामजन्म भूमि पर भव्य राम मंदिर भी देखना चाहते थे। राम मंदिर से ही भाषण की शुरुआत करते हुए उद्धव ने कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री द्वारा इस मामले के कोर्ट में लंबित होने के कारण इस पर बयानबाजी न करने की हिदायत का उल्लेख करते हुए कहा कि मुकदमा तो 30 साल से चल रहा है। दशहरे और दीवाली की छुट्टी में कोर्ट बंद होता है। यानी वह मानता है कि राम ने रावण का वध किया, लेकिन राम का जन्म कहाँ हुआ, इस पर मुकदमा चल रहा है। मंदिर निर्माण को शिवसैनिकों की मांग है। पूरे देश की मांग है। हम यह मांग छोड़ नहीं सकते। हमने देश को

शिवसेना प्रमुख ने कहा- मंदिर निर्माण की मांग हम नहीं छोड़ सकते

उद्धव ठाकरे

राम मंदिर बनाने का वचन दिया है। हमें विशेष कानून बनाकर यह वचन पूरा करना चाहिए। हमने हिंदुत्व के लिए गठबंधन किया है :

भाजपा के साथ गठबंधन पर उद्धव ने कहा कि गठबंधन-गठबंधन में फर्क होता है। एक गठबंधन लोकसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश में सपा और बसपा के बीच भी हुआ था। सिर्फ सत्ता की लालसा के लिए किए गए ऐसे गठबंधन का परिणाम देश देख चुका है। हमारा गठबंधन प्रामाणिक है। हमने हिंदुत्व के लिए गठबंधन किया है। इस गठबंधन को महाराष्ट्र की जनता ने स्वीकार किया है।

भ्रष्टाचार के कारण हुआ कांग्रेस-राकांपा का पतन : उद्धव ने राकांपा अध्यक्ष शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार को भी आड़े हाथों लिया। प्रवर्तन निदेशालय पर शरद पवार की टिप्पणी का उल्लेख करते

किसानों की पूर्ण कर्जमाफी का वादा

शिवसेना ने अपना घोषणापत्र अभी जारी नहीं किया है, लेकिन दशहरा रैली के मंच से उद्धव ने घोषणा की कि दोबारा सत्ता में आते ही शिवसेना किसानों की पूर्ण कर्ज माफी कर उन्हें उनकी जमीन के कागजात सौंपने का काम करेगी। साथ ही शहरों में 300 युनिट तक की बिजली के दाम में 30 फीसद अंतराही करने, 10 रुपये में भोजन की थाली और एक रुपये में स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यार्थियों को मुफ्त बस सेवा की सुविधा देने की घोषणा भी उद्धव ठाकरे ने की।

हूप उन्होंने अपने पिता बालासाहब ठाकरे पर वर्ष 2000 में की गई कार्रवाई याद करने की सलाह पवार को दी। उद्धव ने कहा था कि कांग्रेस-राकांपा का पतन उसके भ्रष्टाचार के कारण हुआ है।
नाराज नेताओं को बगावत न करने की सलाह : उद्धव ने टिकट कटने से नाराज शिवसैनिकों से माफी मांगते हुए उन्हें बगावत न करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बालासाहब ठाकरे ने शिवसेना की स्थापना गठबंधन करके चुनाव लड़ने के लिए नहीं, बल्कि महाराष्ट्र के कल्याण के लिए की थी। शिवसेना की ताकत कम मत होने दो।

जमीन से लेकर आकाश तक फिर ‘ अभिनंदन ’

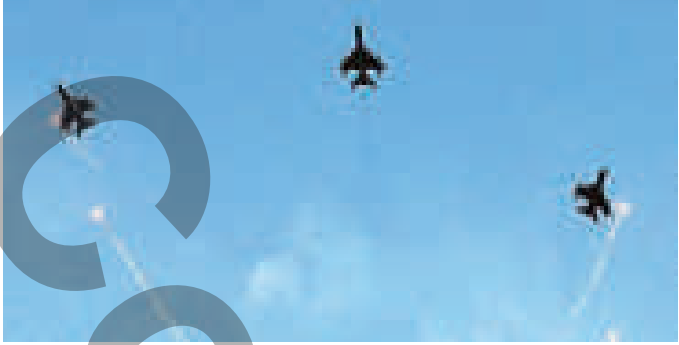
वायु सेना दिवस ▶ एयर-शो में शामिल हुए पाकिस्तान के लड़ाकू विमान को मार गिराने वाले विंग कमांडर

एयरफोर्स ने बालाकोट एयरस्ट्राइक के पराक्रम को दिखाया, लोगों ने की जमकर सराहना

सौरभ षांडेय, गाजियाबाद

वायुसेना की स्थापना की 87वीं वर्षगांठ पर मंगलवार को लोगों के जेहन में बालाकोट एयरस्ट्राइक और विंग कमांडर अभिनंदन के ‘ऑपरेशन पराक्रम’ की वीरता की यादें एक बार फिर ताजा हो गईं। गाजियाबाद के हिंडन एयरफ़ोर्स स्टेशन में आयोजित वायुसेना दिवस समारोह के दौरान पाकिस्तान के लड़ाकू विमान एफ-16 को मार गिराने वाले विंग कमांडर अभिनंदन ने एयर-शो में जैसे ही मिग-21 बायसन विमान से उड़ान भरि हर देशवासी का सेना गर्व से चौड़ा हो गया।

विंग कमांडर ने एक बार फिर दुनिया को देश की ताकत से रूबरू करवाया तो लोगों ने भी शूरवीर का जोरदार अभिनंदन किया। अभिनंदन की अगुवाई में मिग-21 बायसन आकाश में गरजा तो हिंडन एयरफ़ोर्स स्टेशन का परेड ग्राउंड ‘भारत माता की जय’ के नारों से गुंजायमान हो गया। इस दौरान एयरफ़ोर्स ने बालाकोट एयरस्ट्राइक के पराक्रम को दिखाया तो लोगों ने जमकर सराहना की। अन्य पायलटों ने भी एयर-



वायु सेना दिवस के अवसर पर मंगलवार को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में हिंडन एयरबेस पर विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान (मध्य में) ने मिग बाइसन में उड़ान भरी। इस दौरान अभिनंदन के नेतृत्व में ‘मिग फॉर्मेशन’ में विमानों ने अपनी क्षमता का अद्वितीय प्रदर्शन किया। अभिनंदन ने पाकिस्तान का एफ-16 लड़ाकू विमान मार गिराया था। अनिल बराल

शो में उड़ान भरकर अपना शौर्व दिखाया। आयोजन में वायु सेना प्रमुख रakesh कुमार सिंह भदौरिया, नौसेना प्रमुख कर्मवीर सिंह, थल सेना प्रमुख बिपिन रावत और पूर्व क्रिकेटर व वायुसेना के ऑनररी ग्रुप कैप्टन सचिन तेंदुलकर भी मौजूद रहे।

वायुसेना ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान की स्क्वाड्रन-51 को वायुसेना दिवस पर कश्मीर में हुए ऑपरेशन पराक्रम के लिए सम्मानित किया जाएगा। गौरतलब है कि बालाकोट एयर स्ट्राइक के बाद अभिनंदन ने पाकिस्तान

के एफ-16 विमान को मार गिराया था। यही वजह रही कि हिंडन एयरफ़ोर्स स्टेशन में पहुंचे हर व्यक्ति को उम्मीद थी कि अब देश के हीरो अभिनंदन की एक झलक उन्हें देखने को मिलेगी। लोगों को हिंडन एयरफ़ोर्स स्टेशन में तो अभिनंदन नहीं मिले, लेकिन एयर-शो शुरू होते ही उनका मनोबल उस समय सातवें आसमान पर पहुंच गया, जब पता चला कि

अभिनंदन एयर-शो में हिस्सा ले रहे हैं। इसके कुछ ही देर बाद घोषणा हुई कि अभिनंदन की अगुवाई में मिग-21 बायसन विक्ट्री फॉर्मेशन (विजयी मुद्रा) बनाएंगे। इसके बाद दर्शक



वायु सेना दिवस के अवसर पर मंगलवार को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में हिंडन एयरबेस पर आयोजित समारोह में मानद ग्रुप कैप्टन सचिन तेंदुलकर का स्वागत करते एयर चीफ मार्शल राकेश कुमार सिंह भदौरिया। एफपी

दीर्घा में अभिनंदन-अभिनंदन और भारत माता की जय के नारे गुंजने लगे। इसके बाद मिग-21 में पहुंचे हर व्यक्ति को उम्मीद थी कि अब बायसन विमान की दहाड़ सुन लोग रोमांचित हो उठें।

एयरस्ट्राइक के नाम पर जयघोष : समारोह में वायुसेना प्रमुख रakesh कुमार सिंह भदौरिया ने भाषण में जिक्र किया कि बालाकोट एयरस्ट्राइक भारत का आतंकवाद के खिलाफ ऐतिहासिक एक्शन था। यह सुनते ही लोगों ने ‘अभिनंदन जय हो’ और ‘जय हिंद’ के जयघोष शुरू कर दिए।

स्क्वाड्रन 51 सम्मानित : बालाकोट

एयरस्ट्राइक के बाद पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब देने के लिए विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान की स्क्वाड्रन 51 को वायुसेना प्रमुख भदौरिया ने सम्मानित किया। इस दौरान स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन सतीश पवार और मास्टर वॉरंट ऑफिसर बीपी रावत ने यूनिट साइटेशन अवॉर्ड ग्रहण किया। दरअसल अभिनंदन एयर-शो में मिग-21 बायसन विमान से पठानकोट से हिंडन एयरबेस पहुंचे थे और यहां करतब दिखाकर वापस पठानकोट लौट गए। इसलिए यहां सम्मान कार्यक्रम में वह शामिल नहीं हो सके।

वायुसेना प्रमुख बोले-बदल गया राजनीतिक माहौल, एयरस्ट्राइक है उदाहरण

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

वायुसेना प्रमुख रakesh कुमार सिंह भदौरिया ने कहा कि वायुसेना भविष्य की चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार है। देश का राजनीतिक माहौल भी पूरी तरह बदल गया है। बालाकोट एयरस्ट्राइक इसी बदले माहौल का उदाहरण है। पुलवामा के बाद सेना के ठिकानों पर हमले का खतरा बढ़ा है, लेकिन वायुसेना इसका मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार है। वायुसेना भविष्य को देखते हुए बायो फ्यूल एयरक्राफ्ट और मेक इन इंडिया के तहत देश में ही हथले विमान, हेलीकॉप्टर व मिसाइलों को विकसित करने की तैयारियों में जुटी है। वह गाजियाबाद के हिंडन एयरफ़ोर्स स्टेशन में मंगलवार को आयोजित वायुसेना दिवस समारोह के अवसर पर बोल रहे थे।

इस दौरान उन्होंने कहा कि बीता एक साल वायुसेना के लिए चुनौती भरा होने के साथ गौरवशाली भी रहा है। पुलवामा हमले के बाद की गई बालाकोट एयरस्ट्राइक ने दुनिया को भारतीय वायुसेना की ताकत से रूबरू कराया है। रक्षा प्रतिष्ठानों पर अब भी खतरा है, लेकिन हम किसी भी परिस्थिति के लिए

वायुसेना दिवस समारोह में राकेश कुमार सिंह भदौरिया ने कहा- आतंकवाद का देंगे मुंहतोड़ जवाब

हमेशा तैयार है। एयरस्ट्राइक राजनीतिक और सामरिक शक्ति के सामंजस्य का एक उदाहरण है। देश की राजनीतिक सोच अब बदल चुकी है। भविष्य में भी इस तरह के ऑपरेशन की जरूरत पड़ी तो वायुसेना पीछे नहीं हटेगी। समारोह के एयर-शो में बालाकोट एयरस्ट्राइक में शामिल विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान ने मिग-21 बायसन और विंग कमांडर भुजांडे ने मिराज-2000 उड़ाया। दोनों की उड़ान आकर्षण का केंद्र रही। साथ ही चिनुक और अपाचे हेलीकॉप्टर की उड़ान देखकर लोग रोमांचित हुए। मिग-21 बायसन विमानों की 51वीं स्क्वाड्रन और मिराज-2000 विमान की नौवीं स्क्वाड्रन को वायुसेना प्रमुख ने सम्मानित किया। वेदरेशना प्रमुख र ने कहा कि अब समर्थ है भविष्य की ओर देखने का। भविष्य की तैयारी करने का। रोहिणी राखार, स्पाइडर राडार सिस्टम व तेजस भारतीय तकनीक का नायाब उदाहरण है।

एयर-शो के दौरान दुनिया को दिखाई देश की ताकत

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

पाकिस्तान पर एयरस्ट्राइक कर पूरे विश्व को अपना पराक्रम दिखा चुकी भारतीय वायुसेना ने अपनी स्थापना की 87वीं वर्षगांठ पर हिंडन एयरबेस में जमीन से आकाश तक हैरतअंगेज करतब दिखाकर सबको चकित कर दिया। समारोह में हजारों लोग जमीन पर कदम-से-कदम मिलाते जवानों के सामंजस्य के साक्षी बने तो आकाश में गड़गड़ाते विमानों ने भी ताकत का अहसास कराया।

वायुसेना दिवस समारोह की शुरुआत में वायुसेना की पैराजंप्स टीम आकाशगंगा ने आठ हजार फीट की ऊंचाई से छलांग लगाकर की। इसके बाद जवानों ने कदमताल किया। फ्लाइट लेफ्टिनेंट शिवांगी राजवात की अगुवाई में निशान टोली पहुंची तो सभी ने वायुसेना में महिला शक्ति की सहभागिता का नमूना देखा।

एयर वॉरियर ड्रिल टीम ने साढ़े पांच किलो की राइफल के साथ ऐसे करतब दिखाए, जिससे लोग रोमांचित हो उठे। वायुसेना प्रमुख रakesh कुमार सिंह भदौरिया ने इस मौके पर कहा कि वायुसेना का यह वर्ष शहीदों को समर्पित है। उन्होंने कहा कि अब प्रयास है कि वायुसेना में दुर्घटनाओं को न्यूनतम किया जा सके।

इन्हें किया गया सम्मानित

वायुसेना मेडल गैलेट्री : विंग कमांडर अभिषेक शर्मा, भुवनेंद्र नायर, स्क्वॉड्रन लीडर देवमंड, साजेंट अमित कुमार झा, शशिधर पी. प्रसाद।

वायुसेना मेडल : ग्रुप कैप्टन अंजन भद्रा, वीरेंद्र सिंह महिदा, समीर प्रधान, माधव, एस. रमेश, देबाजन मंडल, अरुण महादेवन, अनुभव त्रिपाठी, उदयन कुमार, हरदीप सिंह, प्रेम आनंद, विंग कमांडर जेपी राजू, नितिन कुमार, स्क्वॉड्रन लीडर हिमाद्री।

विशिष्ट सेवा मेडल : एयर वाइस मार्शल अविनाश, केएस रेडडी, अरुण भास्कर, एयर कमांडोर्स संजीवा सिन्हा, महेश भास्कर, राशेश वैद्य, अरुणम अग्रवाल, ललित कुमार चावला, ग्रुप कैप्टन राजीव शर्मा, मनोष श्रीवास्तव, देवेंद्र शेखावत, एसके नाथ, वर्धनारन, शंकर बी. अरुण, अरुण मित्र, मनोष सभरवाल, देवय्योति, अनोश अग्रवाल, कमलेश सिंह, अरविंद ठाकुर, रमन केवल, यशपाल नेगी, बीपी सक्ता, विजय राव, गौरव मनो त्रिपाठी, रिषभ मित्तल, विंग कमांडर अखिले जखालू और मास्टर वॉरेंट ऑफिसर के सुदर्न के साथ स्क्वॉड्रन नौ और 51 को भी सम्मानित किया गया।

राजनाथ व मैक्रों ने रक्षा संबंध और मजबूत बनाने की बात की

पेरिस, एएनआइ : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों से मुलाकात की और दोनों देशों के रक्षा एवं रणनीतिक संबंधों को और मजबूत बनाने के बारे में चर्चा की। रक्षा मंत्री ने बैठक के बाद कहा कि गर्मजोशी के माहौल में हुई बातचीत बेहद लाभकारी रही।

फ्रांस के पहले राफेल युद्धक विमान को भारत को आधिकारिक रूप से सौंपने के कार्यक्रम के लिए सोमवार को पेरिस पहुंचे राजनाथ ने मंगलवार को फ्रांस के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एलिसी पैलेस में उनसे मुलाकात की। इस दौरान सिंह ने फ्रांस को भारत का ‘महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार’ बताया।

रक्षा मंत्रालय ने इस मुलाकात को ‘बहुत गर्मजोशी से भरी और फलदायी’ बताया। बैठक करीब 35 मिनट चली। इसके बाद मंत्रालय की ओर से बयान जारी किया गया। इसमें कहा गया, ‘यह बैठक दर्शाती है कि भारत और फ्रांस के बीच द्विपक्षीय साझेदारी कितनी गहरी है, खासकर रक्षा क्षेत्र में और हाल के वर्षों में यह उल्लेखनीय रूप से सुदृढ़ हुई है। दोनों नेताओं ने इन संबंधों को नई

▶ **रक्षा मंत्री सिंह ने कहा- गर्मजोशी के माहौल में लाभकारी बातचीत हुई**

▶ **फ्रांस को भारत का ‘महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार’ बताया**

ऊंचाइयों पर पहुंचाने का संकल्प लिया।’ इसमें कहा गया, ‘दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने और मेक इन इंडिया पहल को समर्थन देने के लिए सिंह ने राष्ट्रपति मैक्रों का आभार व्यक्त किया।’

उन्होंने फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति जाक शिराक के निधन पर भारत सरकार की ओर से शोक व्यक्त किया। फ्रांस आए मंत्री स्तरीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल रक्षा सचिव अजय कुमार ने कहा, ‘फ्रांस के साथ हमारे बहुआयामी संबंध हैं और संबंध सभी मोर्चों पर आगे बढ़ रहे हैं। आज की बातचीत दोनों देशों के बीच चकार रक्षा चर्चा की हिस्सा है।’ मैक्रों से मुलाकात से पहले सिंह ने फ्रांस की रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पार्ले के साथ बैठक की। इस बैठक में फ्रांस के राष्ट्रपति के रक्षा सलाहकार एडमिरल बरनर्ड रोजेल भी मौजूद थे।

राफेल के आगे सब हैं फेल

बोरडेक्स, एएनआइ : 36 राफेल विमानों के लिए 60,000 करोड़ रुपये से अधिक के सौदे ने मंगलवार को अहम चरण पूरा किया है। भारत को पहला राफेल मिलने के साथ ही भारतीय वायुसेना की मारक क्षमता में बेतहाशा इजाफा होगा। राफेल की ख़ुबियां पर एक नजर डालें।

इन खूबियों से लैस है विमान

● रफाल विमान परमाणु मिसाइल डिलीवर करने में सक्षम, दुश्मन के इलाके में जाए बैगैर भी वार करने में अचूक।

● हथियारों का सबसे सुविधाजनक इस्तेमाल, बहुआयामी भूमिका के चलते निचले अक्षांशों में भी हवा से हवा में मार कर सकता है।

● इसमें दो तरह की मिसाइलें हैं- मीटियोर और हैमर। एक की रेंज डेढ़ सौ किलोमीटर है तो दूसरी की तीन सौ किलोमीटर है।

● परमाणु हथियारों से लैस राफेल हवा से हवा में 150 किलोमीटर तक मिसाइल दाग सकता है और हवा से जमीन तक इसकी मारक क्षमता 300 किलोमीटर है।

● राफेल जैसा विमान चीन और पाकिस्तान के पास भी नहीं है।

● फ्रांसीसी कंपनी दासी एविएशन के मुताबिक, राफेल की स्पीड मैक 1.8 है। यानी करीब 2020 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार।

● ऊंचाई 5.30 मीटर, लंबाई 15.30 मीटर, विमान में हवा में ईंधन भरा जा सकता है।

● खाली राफेल विमान अपने ही वजन जितने घातक हथियारों का भार उठा सकता है। विमान में नौ टन से अधिक का बाहरी भार उठाने की क्षमता है।

● राफेल ऊपर-नीचे, अमल-बगल यानी हर तरफ निगरानी रखने में सक्षम है। मतलब इसकी विजिबिलिटी 360 डिग्री होगी।

● राफेल युद्धक विमानों का अब तक अफगानिस्तान, लीबिया, माली, इराक और सीरिया जैसे देशों में हुई लड़ाइयों में इस्तेमाल हुआ है।

पहल

कई बुराइयों के अंत तक सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष का एलान, पीड़िताओं ने सुनाई आपबीती, कहा- बस अब और बदर्शत नहीं

जागरण संवाददाता, बरेली

जिस वक्त विजयादशमी पर पूरा देश रावण के अहंकारी रूप का दहन कर रहा था, उसी वक्त बरेली में तत्काल तीन तलाक पीड़िताओं ने मुस्लिम समाज की दस बुराइयों का दहन किया। यह भी एलान किया कि मुस्लिम समाज की उन तमाम कुरीतियों के अंत के लिए महिलाएं सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष करेंगी। सुप्रीम कोर्ट तक का दरवाजा खटखटाएंगी। इस दौरान पीड़िताओं ने आपबीती सुनाते हुए कहा कि बस अब और बदर्शत नहीं।

मेरा हक फाउंडेशन की अध्यक्ष फरहत नकवी की अगुवाई में बरेली के अय्युब खां चौगहे पर मौलवार देर शाम 70 से अधिक महिलाएं जुटीं। इनमें कई तत्काल तीन तलाक पीड़िताएं थीं तो कई हलाला और पति के उत्पीड़न का शिकार हुई थीं। सभी के चेहरे पर गुस्सा और नई उम्मीद की किरण साफ झलक रही थी। महिलाओं के सामने था तत्काल तीन तलाक, हलाला, बहुविवाह सहित समाज की दस बुराइयों को समेटे रावण का पुतला।



बरेली में दस बुराइयों का पुतला दहन करती मेरा हक फाउंडेशन की फरहत नकवी। जागरण

सभी ने एक स्वर में, ‘कमजोर है नारी, भूल है तुम्हारी’... बस अब और नहीं... जैसे कई नारे बुलंद किए।

इस मौके पर फरहत नकवी ने कहा कि जिस तरह विजयादशमी पर श्रीराम ने रावण का वध

करके बुराई पर अच्छाई की जीत हासिल की थी, उसी तरह आज इन दस बुराइयों का दहन करके पूरी दुनिया को संदेश दिया गया है। अब मुस्लिम महिलाएं अपने ऊपर हो रहे उत्पीड़न को कतई बदर्शत नहीं करेंगी। उसका मुकाबला करेंगी।

रक्षा मंत्री ने राफेल में भरी उड़ान

विजयादशमी के पावन अवसर पर मंगलवार को फ्रांस में जब भारत को पहला राफेल लड़ाकू विमान सौंपा गया तो इस मौके पर मौजूद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राफेल में उड़ान भी भरी। एपी

पहले चार विमान

अंबाला एयरबेस पर

तैनात होंगे

▶ प्रथम पृष्ठ से आगे

भारत को मिलने वाले 36 विमानों की डील में से पहले चार अंबाला एयरबेस पर तैनात किए जाएंगे। पहले 16 राफेल को वायुसेना की 17वीं स्क्वाड्रन गोल्डन एरोज में शामिल किया जाएगा। साल 1999 के करगिल युद्ध के दौरान हीरो बनकर उमरी इस स्क्वाड्रन को हाल ही में सेवानिवृत्त हुए एयर चीफ मार्शल बीएस धनोआ ने कमांड किया था। अप्रैल 2022 में आने वाले अगले 16 विमानों को पश्चिम बंगाल के हाशिमारा एयरबेस में तैनात किया जाएगा। हवाई क्षेत्र में गेमचेंजर साबित होगा : राफेल लड़ाकू विमान भारतीय वायुसेना की मारक क्षमता कई गुना बढ़ा देगा। यह हवाई क्षेत्र में गेमचेंजर साबित होगा। राफेल पाकिस्तान और चीन से होने वाले हवाई हमलों के खतरे को रोकने और उसे काउंटर करने में काफी मददगार साबित होगा। सौंपदेवंबर प्रामाणिका की वजह से सभी 36 जेट अक्टूबर 2022 तक ही भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल हो पाएंगे।

बुद्धिजीवियों के खिलाफ देशद्रोह मामले के लिए मोदी सरकार को दोष देना गलत

▶ **जावडेकर ने कहा, निहित स्वार्थ में सरकार के खिलाफ फैलाया जा रहा झूठ**



प्रकाश जावडेकर।

फाइल

बुद्धिजीवियों पर केस की निंदा : अभिनेता नसीरुद्दीन शाह, इतिहासकार रोमिला थापर, कार्यकर्ता हर्ष मंदर समेत 180 कलाकारों और संस्कृतिकर्मियों ने बुद्धिजीवियों के खिलाफ बुद्धिजीवियों के खिलाफ देशद्रोह का मामला दंड किया गया है। इन लोगों ने उन्मादी भीड़ की हिंसा के बहाने मामलों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुला पत्र लिखा था।

बहुविवाह समेत दस बुराइयों का पुतला फूंकने पर भड़के उलमा : विजयादशमी पर बरेली में मुस्लिम महिलाओं द्वारा तत्काल तीन तलाक व बहुविवाह समेत दस बुराइयों का पुतला दहन किए जाने पर सखारनपुर में उलमा भड़क गए। उनका कहना है कि कुछ महिलाओं द्वारा सस्ती लोकप्रियता पाने को इस तरह के इस्लाम विरोधी काम किए जा रहे हैं। ऐसी महिलाओं को इस्लाम की सही जानकारी नहीं है। तंजीम अब्ना-ए-दारुल उलूम के अध्यक्ष मुफ्ती यादे इलाही कासमी ने कहा कि जो महिलाएं तलाक और बहुविवाह को कुप्रथा बताकर उनका दहन करने की कोशिश कर रही हैं, शायद उन्हें इस्लाम के बारे में सही जानकारी नहीं है।

जमीयत दावतुल मुसलिमीन के संरक्षक कारी इसहाक गोर ने कहा कि इस्लाम मजहब को जब कोई अच्छे से समझ नहीं पाता तो इसमें खामियां निकालता है। बुराई के रूप में इनका दहन करने वाली महिलाएं मानसिक दिवालिया प्रतीत होती हैं। इसीलिए पुतला दहन जैसे गैरइस्लामी कृत्य में भी शामिल हो रही हैं।

अदालत के प्रति सम्मान न होने के कारण खारिज हुई भट्ट की याचिका

राज्य द्यूरो, अहमदाबाद : गुजरात हाई कोर्ट ने हिरासत में मौत के मामले में सत्र न्यायालय की तरफ से सुनाई गई सजा को चुनौती देने वाली आरोपित पूर्व आइपीएस अधिकारी संजीव भट्ट की याचिका को उनके काल-चलन व खराब बर्ताव के कारण खारिज कर दिया था। हाई कोर्ट ने पाया कि भट्ट अदालत व सत्य का समुचित सम्मान नहीं करते। हिरासत में मौत का मामला 30 साल पुराना है। इसमें सत्र न्यायालय ने भट्ट को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी हाई कोर्ट ने जस्टिस बेला त्रिवेदी द्वारा 25 सितंबर को पारित आदेश को सोमवार को अपनी वेबसाइट पर डाला है। आदेश में उल्लेख किया गया है कि भट्ट को आइपीसी की धारा 302 के तहत हत्या के लिए दोषी ठहराया गया था। उनके निर्दोष होने का कोई प्रमाण नहीं मिलाता। अदालत ने सरकार की वकील मित्रेश अमीन की दलीलों के साथ-साथ कार्यवाही के दौरान भट्ट के कोर्ट के प्रति रवैये पर भी गौर किया। कोर्ट ने माना कि संजीव भट्ट अदालतों के प्रति सम्मान भाव नहीं रखते हैं। उन्होंने हाई कोर्ट में गंभीर टिप्पणियां भी कीं।

मानहानि मामले में सूत्र कोर्ट में कल पेश होंगे राहुल

सूत्र, प्रे़र : कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुजरात के सूत्र स्थित एक कोर्ट में गुरुवार को पेश होंगे। वह खुद के खिलाफ दर्ज आपराधिक मानहानि के मुकदमे में अपना पक्ष रखेंगे। इसी साल लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने टिप्पणी की थी- ‘सभी चोरों के उपनाम मोदी क्यों हैं?’

राहुल गांधी के दौरे को लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा ने मंगलवार को स्थानीय नेताओं के साथ बैठक की। इसके बाद उन्होंने मीडिया को बताया कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 10 अक्टूबर को यहां कोर्ट में उपस्थित होंगे। पार्टी कार्यकर्ता उनका पूरे रास्ते जोरदार स्वागत करेंगे। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बीएच कपाड़िया ने नई में गांधी के खिलाफ समन जारी किया था। भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने राहुल के खिलाफ आइपीसी की धारा 499 व 500 के तहत मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने राहुल की टिप्पणी को मोदी समाज को अपमानित करने वाला बताया था।

जारी है प्रकोप ▶ राज्य में 1009 डेंगू और 90 चिकनगुनिया के रोगियों की हुई पहचान

बिहार में बाढ़ के बाद महामारी की तरह फैल रहा डेंगू और चिकनगुनिया

स्वास्थ्य विभाग का दावा, बीमारी से अभी तक किसी की नहीं हुई मौत

राज्य ब्यूरो, पटना

बिहार में डेंगू और चिकनगुनिया की बीमारी महामारी की तरह तेजी से फैल रही है। पिछले दिनों दो दिन लगातार बारिश और इसके बाद बाढ़ और जलजमाव की वजह से मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। पिछले चार दिनों में एक हज़ार से अधिक लोग डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारी के शिकार हुए हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने आज जारी बुलेटिन में बताया कि दो दिन में डेंगू के करीब 30 और चिकनगुनिया के 10 नए रोगियों की पहचान गई है। इसके बाद राज्य में डेंगू पीड़ितों की संख्या 109 और चिकनगुनिया रोगियों की संख्या 90 तक पहुंच गई है। सिर्फ पटना में डेंगू के 662 और चिकनगुनिया के 76 रोगियों का सरकारी अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है। निजी अस्पतालों में भर्ती डेंगू चिकनगुनिया के रोगी इसमें शामिल नहीं हैं।



बाढ़ के बाद फैले डेंगू और चिकनगुनिया की चपेट में आकर पटना मेडिकल कॉलेज में भर्ती मरीज। प्रे

पटना के बाद भागलपुर में डेंगू के सर्वाधिक रोगी मिले हैं। भागलपुर में डेंगू के 95, नालंदा में 25, औरंगाबाद व पूर्णिया में 13-13, मुजफ्फरपुर और नवादा में 12-12, मधुबनी में 11, बेगूसराय में 9 और शेष प्रभावित जिलों

में इनकी संख्या 7 से 2 के बीच है।

स्वास्थ्य विभाग ने पटना में पीएमसीएच, एनएमसीएच के साथ ही 22 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डेंगू और चिकनगुनिया की जांच और इलाज की सुविधा दिए जाने का दावा किया

है। स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव संजय कुमार ने कहा कि सरकार डेंगू चिकनगुनिया को रोकथाम के लिए हर संभव कदम उठा रही है। जिन क्षेत्रों से पानी निकल चुका है वहां लगातार फॉगिंग कराई जा रही है। ब्लीचिंग पाउडर और चुने के मिश्रण का छिड़काव कराया जा रहा है। उन्होंने कहा स्वास्थ्य विभाग और बिहार स्वास्थ्य समिति संयुक्त रूप से बीमारी के खिलाफ युद्धस्तर पर लगे हुए हैं। प्रधान सचिव ने डेंगू और चिकनगुनिया पीड़ितों की जांच के लिए 10, 11 और 12 अक्टूबर को पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल और नालंदा मेडिकल कालेज अस्पताल में कैंप लगाया जा रहा है। पीड़ित यहां आकर मुफ्त जांच और इलाज करा सकेंगे। उन्होंने लोगों से अपील की है कि लोग घर के आसपास सफाई रखें। चुना और ब्लीचिंग का छिड़काव करें। पानी उबाल कर पीएं।

प्रधान सचिव ने कहा कि पटना और राज्य के दूसरे सरकारी अस्पतालों में डेंगू व चिकनगुनिया के रोगियों के लिए आइसोलेशन वार्ड बनाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि इस बीमारी से अब तक किसी की मौत नहीं हुई है।

एसटीएफ ने नोएडा से दो सुपारी किलर समेत तीन बदमाश दबोचे

जागरण सं. बुलंदशहर

खुर्जा नगर और एसटीएफ नोएडा ने संयुक्त रूप से दबिश देकर दो सुपारी किलर समेत तीन बदमाशों को रविवार रात दबोच लिया। 15 लाख में दो सुपारी किलर ने खुर्जा निवासी युवक की हत्या की सुपारी ली थी। पकड़े बदमाशों में सुपारी देने वाला आरोपित बदमाश भी शामिल है। इनसे हथियार भी बगमद हुए हैं। हत्या दशहरा के दिन होनी थी।

खुर्जा नगर थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि खुर्जा नगर स्थित एक मकान में तीन शूटर किसी की हत्या के इरादे से एकत्र हैं। इस पर पुलिस और नोएडा एसटीएफ ने खुर्जा नगर निवासी सूर्य प्रताप सिंह के मुताबिक सूर्य प्रताप सिंह ने सुपारी देने वाला आरोपित बदमाश भी शामिल है। इनसे हथियार भी बगमद हुए हैं। हत्या दशहरा के दिन होनी थी।

अर्जुन की हत्या के लिए 15 लाख रुपये की सुपारी दी गई थी। पुलिस की सजगता से एक युवक की जान बच गई। नोएडा एसटीएफ को भी बदमाशों की लोकेशन खुर्जा नगर में मिली थी।

–आरके मिश्रा, सीओ एसटीएफ, नोएडा

जेल में लिखी गई थी हत्या की पटकथा : पुलिस के मुताबिक 1993 में सूर्यप्रताप के पिता सुरेंद्र पाल सिंह निवासी मुरारीनगर द्वितीय, खुर्जा ने कृष्णा देवी पत्नी शंकर लाल निवासी कानपुर से जमीन की वसीयत कराई थी। जबकि उस्मानपुर निवासी शिवकुमार व अर्जुन ने इसी जमीन की कृष्णा देवी से पॉवर ऑफ अटार्नी करा ली थी। शिवकुमार और अर्जुन कोर्ट से मुकदमा जीत गए। इसके बाद दोनों ने उक्त जमीन पर बने सूर्य प्रताप के सीसीटीवी कैमरे का कार्यालय तोड़कर सामान अपने पास रख लिया था। इससे सूर्य प्रताप, अर्जुन से रंजिश रखने लगा। जेल में सूर्य प्रताप की मुलाक़ात सचिन कुमार से हुई और दोनों ने अर्जुन की हत्या की योजना बनाई। इस योजना में सचिन ने अपने गांव निवारी निवासी राजू को शामिल कर लिया। किसी को उन पर शक न हो, इस लिए सूर्यप्रताप के भाई हेमंत को छह अक्टूबर को किसी अस्पताल में भर्ती कराया जाना था।

हिमाचल में बारालाचा व रोहतांग दर्रा बहाल, जोखिम अभी भी बरकरार

जागरण संवाददाता, मनाली

बर्फबारी से बंद हुआ बारालाचा व रोहतांग दर्रा वाहनों के लिए बहाल हो गया। बारालाचा में आठ इंच जबकि रोहतांग दर्रे में आधा फीट से बर्फ की मोटी परत जमी हुई है। बारालाचा दर्रे के बहाल हो जाने से मनाली-लेह मार्ग पर एक बार फिर वाहनों की आवाजाही शुरू हो गई है। शिकुला दर्रे के बहाल न होने से जांस्कर घाटी का लाहुल से संपर्क टूटा हुआ है। कुंजम दर्रे के बहाल हो जाने से मनाली काजा मार्ग पर भी वाहन सरपट दौड़ने लगे हैं।

रोहतांग दर्रे में राहनीनाला की अपेक्षा राक्षी ढाँक की ओर बर्फबारी अधिक हुई है। हालांकि मनाली प्रशासन ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) और स्थानीय युवाओं के सहयोग से रोहतांग दर्रे में फंसे 150 वाहनों को सोमवार को ही निकाल लिया था, जिससे सड़क भी बहाल हो गई थी। अधिकतर लोगों ने मनाली और कोकसर में ही शरण ले रखी थी। मंगलवार सुबह मौसम साफ होता देख दोनों ओर



सोमवार को रोहतांग दर्रे में बर्फबारी होने के कारण फंस गए थे कई वाहन।

फाइल

से 100 से अधिक वाहनों सहित एचआरटीसी की बसों ने रोहतांग दर्रे को आर पार किया। मंगलवार होने के चलते रोहतांग दर्रा सैलानियों के लिए बंद है लेकिन 100 से अधिक छोटे व बड़े वाहनों ने दर्रा आर पार किया है। हालांकि मनाली से लाहुल जाने वाले लोगों की संख्या कम है लेकिन लाहुल से मनाली आने वाले लोग ज्यादा हैं। कुल्लू में दशहरा का आगाज होने से लाहुल की ओर से लोगों का कुल्लू आने का दौर लगातार जारी है। मनाली से लाहुल गए अशोक, राजू और दीपक ने बताया कि सड़क को बहाल

हो गई है लेकिन इसके किनारे बर्फ जमने से जोखिम बढ़ गया है। धूप लगने के बाद कि सफर सुरक्षित है। सुबह व शाम को वाहन रिकड हो रहे हैं। बीआरओ कमांडर कर्नल उमा शंकर ने बताया कि बीआरओ ने सड़क बहाल कर ली है। मनाली दारचा के बीच बीआरओ का सड़क निर्माण कार्य जारी है। मनाली एसडीएम रमन घरसंगी ने कहा कि मंगलवार को बीआरओ का मेटेनेश डे है। इस कारण सैलानियों के लिए रोहतांग दर्रा बंद रहा। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि मौसम देख ही दर्रे को आर-पार करें।

जौड़ा फाटक हादसे के पीड़ितों ने मांगा इंसाफ

जागरण संवाददाता, अमृतसर

19 अक्टूबर 2018 को दशहरे के दिन जौड़ा फाटक रेलवे ट्रैक रक्तरंजित हो गया था। यहां रेलवे ट्रैक पर खड़े होकर दशहरा देख रहे 59 लोग के ऊपर से पठानकोट से आई डीएमपू गुजर गई थी। मंगलवार को हादसे में जान गंवाने वाले पीड़ित परिवारों के लोग इंसाफ के लिए सड़क पर उतरे तो एक बार फिर साल बाद दशहरे का जख्म ताजा हो गया। जौड़ा फाटक हादसे के पीड़ित परिवारों ने पंजाब सरकार एवं स्थानीय निकाय मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू के खिलाफ प्रदर्शन किया। ये परिवार एसटी ट्रैक पर धरना लगाने जा रहे थे, जहां हादसा हुआ था। लेकिन पुलिस ने इन्हें रोक दिया। इसके बाद गुस्ताए लोग जौड़ा फाटक के समीप ही धरना लगाकर बैठ गए। लोग कह रहे थे कि हमें ट्रैक पर जाने दो, हम भी रेल के नीचे कटकर अपनी जान दे देंगे।

सुबह तकरीबन सवा नौ बजे जौड़ा फाटक के समीप पहुंचे पीड़ित परिवारों की आंखों में मेटेनेश डे है। इस कारण सैलानियों के लिए रोहतांग दर्रा बंद रहा। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि मौसम देख ही दर्रे को आर-पार करें।



19 अक्टूबर 2018 को दशहरे के दिन जौड़ा फाटक रेल हादसे में मारे गए लोगों के परिजनो को रेल ट्रैक धरना देने जाने से रोकते पुलिस कर्मी। हादसे में 59 लोगों की मौत हुई थी।

जागरण

सरकारी नौकरी देने का वायदा पूरा नहीं किया। लोगों के घरों का चूल्हा तक ठंडा पड़ा है। लोग अपने बच्चों को पढ़ा नहीं पा रहे। इस हादसे के कसूरवार नवजोत सिंह को ठहराते हुए दीपक ने कहा कि यदि वह उस दिन निर्धारित समय पर आ जातों तो 59 लोगों की जान न जाती। उनके पति नवजोत सिद्धू ने तो इन परिवारों को अडाप्ट करने की बात कही थी, पर सिद्धू दंपती ने परिजनों की कभी सुध तक नहीं ली। राजेश कुमार नामक शख्स ने बताया

कि उनके पिता बलदेव कुमार हादसे में गंभीर जख्मी हुए थे। पांच माह बाद उनकी मृत्यु हो गई। आज तक उनका नाम मृतकों की सूची में शामिल नहीं किया गया।

नागालों ने सेक्री सियासी रोटियां : धरना के बीच नेता भी सियासी सियासी रोटियां सेकने पहुंचे। कांग्रेस के पूर्व महासचिव मनदीप सिंह मन्ना ने कहा कि इन लोगों की यह गलती है कि इन्होंने नवजोत सिंह सिद्धू को चुनाव जितवाया। उधर, पंजाब एक्ता पार्टी के प्रधान सुखपाल

बीस वर्ष से होता रहा है आयोजन इस वर्ष नहीं जला रावण जौड़ा फाटक में बीस वर्षों से रावण दहन किया जाता रहा है। पिछले वर्ष हुए हादसे के बाद इस बार यहां दशहरा नहीं मनाया गया। लोगों के आक्रोश को देखते हुए पुलिस ने जौड़ा फाटक के दोनों गेट बंद कर दिए थे। लोगों को लिंक रास्तों से भेजा गया।

सिंह खेहरा ने कहा कि यह हादसा सरकार की लापरवाही का प्रमाण है। सरकार अपने नेताओं व अधिकारियों को बचाती रही है। **पीड़ित परिवारों ने 22 अक्टूबर का अल्टीमेटम दिया** : तकरीबन ढाई बजे जिला प्रशासन की ओर से एसडीएम विकास हीरा धरनाकारियों के बीच पहुंचे। उन्होंने उन्हें धरना उठाने की अपील की। लोगों से साफ कहा कि उन्हें इंसाफ चाहिए। लोगों ने कहा कि वह सरकार को 22 अक्टूबर तक का समय दे रहे हैं।

एनटीसीए ने कार्बेट के ढिकाला में बाघ पकड़ने की अनुमति नहीं दी

राज्य ब्यूरो, देहरादून

कार्बेट टाइगर रिजर्व के अंतर्गत ढिकाला क्षेत्र में सक्रिय बाघ के आदमखोर होने की आशंका को देखते हुए परीक्षण के लिए इसे पकड़ने की अनुमति देने की वन्यजीव महकमे की मांग राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने टुकड़ा दी है। इसे देखते हुए अब शासन की ओर से राज्य के पक्ष को एनटीसीए के समक्ष रखा जाएगा।

ढिकाला क्षेत्र में बाघ ने बीते वर्ष नवंबर और इस साल जुलाई में एक-एक व्यक्ति को मार डाला था। इसे देखते हुए वन्यजीव महकमे ने बाघ को परीक्षण के लिए ट्रेकुलाइज कर पकड़ने की एनटीसीए से अनुमति मांगी थी। महकमे का कहना था कि बाघ को पकड़ उसे रेडियो कॉलर पहनाकर उसके व्यवहार का अध्ययन किया जाएगा।

एनटीसीए ने महकमे की इस मांग को टुकड़ दिया है। उसका कहना है कि ढिकाला क्षेत्र बाघों के वासस्थल की दृष्टि से संवेदनशील है। फिर

अब शासन की ओर से इस बारे में एनटीसीए के समक्ष रखा जाएगा पक्ष

ढिकाला क्षेत्र में बाघ ने जुलाई और नवंबर में एक-एक व्यक्ति को बनाया था निशाना

वहां जिन दो लोगों की मौत हुई है, उसमें काफी लंबा अंतराल है। लिहाजा, बाघ को ट्रेकुलाइज करने की आवश्यकता नहीं है। गोरखनाथ है कि एनटीसीए ने हाल में सभी राज्यों को आदेश जारी किए हैं कि बाघों को ट्रेकुलाइज करने के संबंध में पहले उससे अनुमति ली जाए। इसी कड़ी में राज्य के वन्यजीव महकमे ने ढिकाला में सक्रिय बाघ को लेकर अनुमति मांगी थी। अब एनटीसीए के इनकार से यह सवाल खड़ा हो गया है कि यदि बाघ के हमले में कोई जनहानि होती है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा। सूत्रों ने बताया कि इस मसले को देखते हुए अब राज्य के पक्ष को पूरे तथ्यों के साथ शासन की ओर से एनटीसीए को भेजा जाएगा।

पिकनिक मनाने देहरादून गए दो छात्र नदी में डूबे

जागरण संवाददाता, देहरादून: राजपुर क्षेत्र के चंद्रौटी में दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गए दो छात्र टीस नदी में बह गए और चंद मिनट में ही नजरों से ओझल हो गए। यह सब देख रहे दोस्तों ने शोर मचाना शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस व एसडीआरफ ने करीब तीन घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद दोनों छात्रों के शव बरामद किए। एक छात्र गोंडा (उत्तर प्रदेश), जबकि दूसरा देहरादून के सहसपुर का रहने वाला था।

मृत छात्रों की पहचान अंशुमान शुक्ला पुत्र, सुशील कुमार निवासी ग्राम खड़फपुर, गोंडा (उत्तर प्रदेश) व सचिन पुंडीर पुत्र सुभाष निवासी ग्राम तिरपुरपुर, सभावाला, सहसपुर, देहरादून के रूप में हुई है। दोनों राजपुर रोड स्थित जाखन क्षेत्र में रहमान हास्टल में रहते थे और एनडीए की तैयारी कर रहे थे। मंगलवार को अंशुमान और सचिन हास्टल में रहने वाले दोस्तों सनी, तुषार, अमन, अबू बकर, विवेक सिंह, आयुष, शिवम व रुद्राक्ष के साथ चंद्रौटी में पिकनिक मनाने गए थे। दोस्तों ने पुलिस को बताया कि टीस नदी में अंशुमान, सचिन और सनी नहाने की जिद करने लगे। तीनों ने कहा कि वह नदी में ऊंचाई से छलांग लगाकर नदी पार कर लेंगे। अंशुमान और सचिन ने छलांग लगा दी, लेकिन सनी रुक गया। अंशुमान और उसके बाद सचिन ने नदी में जिस जगह पर छलांग लगाई, वहां गहराई अधिक थी और पानी का बहाव भी तेज था। लिहाजा दोनों डूबने-उतराने लगे। दोनों ने हाथ-पांव मार कर नदी के पार जाने की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान नजरों से ओझल हो गए। पुलिस ने मृतक छात्रों के परिजनों को सूचना दे दी है।

आवाज का मिलान होने से बढेंगी आरोपितों की मुश्किलें

जागरण संवाददाता, शाहजहांपुर

विशेष जांच दल (एसआइटी) बुधवार को चिन्मयानंद, छात्रा व उसके दोस्त संजय सिंह, विक्रम सिंह और सचिन सेंगर को आवाज के सैंपल लेने के लिए लखनऊ स्थित विधि विज्ञान प्रयोगशाला ले जा सकता है। इसके लिए एसआइटी मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की कोर्ट से पांचों का रिमांड भी ले चुकी है, लेकिन दशहरा के अवकाश के चलते सुर्क्षा कारणों से नहीं ले जा सकी। यदि वॉयस सैंपल व वायरल वीडियो में रिकार्ड आवाज का मिलान हो जाता है तो आरोपितों की मुश्किलें बढ़ना तब है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री चिन्मयानंद पर छात्रा ने टुकर्म के आरोप लगाए हैं। वहीं, चिन्मयानंद की ओर से छात्रा, उसके दोस्त संजय सिंह, विक्रम और सचिन पर पांच करोड़ की रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज कराया गया है। मामले में 10 सितंबर को चिन्मयानंद के आपतिजनक वीडियो वायरल हुए थे। उसी दिन रंगदारी प्रकरण से जुड़ा हुआ वीडियो भी वायरल हुआ था। वहीं, रंगदारी से जुड़ा दूसरा वीडियो 26 सितंबर को वायरल हुआ था। इसके अलावा छात्रा की ओर से पेन ड्राइव में भी 43 क्लिप एसआइटी को सौंपी गई हैं। एसआइटी दोनों प्रकरण की जांच में अब तक कई अहम साक्ष्य जुटा चुकी है। वायरल



चिन्मयानंद।

फाइल

चिन्मयानंद प्रकरण

▶ **लखनऊ स्थित विधि विज्ञान प्रयोगशाला में लिया जाएगा वॉयस सैंपल**

▶ **वायरल वीडियो व छात्रा द्वारा पेन ड्राइव में सौंपी गई क्लिप से होगा मिलान**

इस वर्ष बिकी सिर्फ एक टाटा नैनो

नई दिल्ली : टाटा मोटर्स ने इस वर्ष अब तक सिर्फ एक यूनित नैनो की बिक्री की है। यह बिक्री फरवरी में हुई थी। वहीं, कंपनी ने इस वर्ष अब तक नैनो का उत्पादन नहीं किया है। कंपनी ने अब तक इसे बाजार से हटा लेने की औपचारिक घोषणा नहीं की है। लेकिन कंपनी की तरफ से यह संकेत दिया जा चुका है कि ईंधन के वीएस -6 और सुरक्षा के नए मानकों को देखते हुए मौजूदा रूप में नैनो की बिक्री जारी रखना संभव नहीं है। (प्रेट)

6 अभी हमारे सामने रेपो रेट की कोई निचली सीमा नहीं है। बाजार की जरूरतों के हिसाब से हम रेपो रेट में कटौती का फैसला लेते रहेंगे।

— शक्तिकांत दास
गवर्नर, आरबीआइ



फॉर्च्यून ‘ 40 अंडर 40 ’ में भारतीय मूल के दो पेशेवर

- अर्जुन बंसल इंटेल में संभाल रहे एआई वॉटकल की कमान
- अंकित बोस आठ देशों में चला रही अपना ऑनलाइन कारोबार

यह सौदा 35 करोड़ डॉलर (करीब 2,35 करोड़ रुपये) में हुआ था।

अंकित बोस (27) ने चार वर्ष पहले सिंगापुर-स्थित एक स्टार्ट-अप कंपनी की स्थापना की थी। फॉर्च्यून के मुताबिक बैंकॉक के एक बाजार में घूमते वक़्त उन्हें पता चला कि वहां के स्थानीय कारोबारियों को अपना सामान ऑनलाइन माध्यम से बेचने में बहुत सी दिक्कतें पेश आती हैं। उन्होंने फैशन रिटेलरों के साथ एक छोटा सा प्लेटफ़ॉर्म शुरू किया, जो देखते-देखते बड़ा बन गया। उनकी कंपनी में हाल ही में सिक्वोया कैपिटल और टेमासेक होल्डिंग्स ने 22.6 करोड़ डॉलर (करीब 1,580 करोड़ रुपये) का निवेश किया है। इस निवेश से बोस की कंपनी का मूल्य 97 करोड़ डॉलर (करीब 6,800 करोड़ रुपये) हो गया है। उनकी कंपनी में इस वक़्त आठ देशों में करीब 600 कर्मचारी काम कर रहे हैं।

फेस्टिव सीजन ने मंदी के दावों को दिखाया टेंगा

नई दिल्ली, आइएनएस : अर्थव्यवस्था में मंदी के शोरगुल के बीच इन दावों को झुठलाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। नवरात्र के सप्ताह फेस्टिव सीजन शुरू होते ही हर ओर जबर्दस्त बिक्री देखने को मिली है। अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसी बड़ी कंपनियों की अगुआई में शुरुआती छह दिन (29 सितंबर से चार अक्टूबर) में ई-कॉमर्स कंपनियों ने रिकॉर्ड तीन अरब डॉलर (करीब 21 हजार करोड़ रुपये) का कारोबार किया है। वालमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट और अमेजन की इसमें 90 फीसद हिस्सेदारी रही। बेंगलुरु की रिसर्च फर्म रेटसीयर कंसल्टंट्सी ने यह जानकारी दी है। इससे पहले, चार अक्टूबर को ग्री-बुकिंग खुलते ही सैमसंग के 1.65 लाख रुपये की कीमत वाले गैलेक्सी फोल्ड मॉडल के 1600 फोन मात्र 30 मिनट में बिक गए थे।

रिसर्च फर्म का कहना है कि फेस्टिव सीजन की जैसी शुरुआत हुई है, उसे देखते हुए अक्टूबर में कुल ऑनलाइन बिक्री का आंकड़ा छह अरब डॉलर (करीब 42,000 करोड़ रुपये) तक पहुंच सकता है। रेटसीयर के संस्थापक व सीईओ अनिल कुमार का

कहना है कि बिक्री के ये आंकड़े दिखाते हैं कि ऑनलाइन शॉपिंग को लेकर ग्राहकों का रुझान सकारात्मक बना हुआ है। सालभर पहले के मुकाबले इस फेस्टिव सीजन में 30 फीसद की तेजी देखी गई। इसमें टीयर-2 और टीयर-3 शहरों की अच्छी-खासी भागीदारी देखने को मिली। बिक्री के मामले में मोबाइल सेगमेंट सबसे ऊपर रहा। बिके सामानों के कुल मूल्य (जीएमवी) में 55 फीसद हिस्सा मोबाइल का रहा। ज्यादातर ग्राहकों ने मोबाइल फोन खरीदने की अपनी योजना को त्योहारी सीजन के लिए टाल रखा था। यह दिखाता है कि फेस्टिव सीजन में वैल्यू शॉपिंग करने पर जोर दे रहे हैं।

फ्लिपकार्ट ने मारी बाजी : फेस्टिव सीजन की शुरुआती सेल में ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी फ्लिपकार्ट का दबदबा रहा। कुल कारोबार में से 60 से 62 फीसद फ्लिपकार्ट के हिस्से में गया। इसकी सहयोगी इकाइयों मित्रा और जवोग को भी जोड़ा जाए तो इसकी हिस्सेदारी 63 फीसद रही। फ्लिपकार्ट ने यह बाजी मोबाइल बिक्री के दम पर अपने नाम की। ग्राहकों ने अच्छी डील को

छह दिनों में ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 21 हजार करोड़ रुपये का कारोबार

टीयर-2 और 3 शहरों के ग्राहकों का बढ़ रहा ऑनलाइन खरीद की ओर रुझान



प्रतीकालक

देखते हुए किस्तों में खरीदने का विकल्प भी खूब आजमाया। अमेजन के कारोबार में मूल्य के आधार पर पिछले साल के मुकाबले 22 फीसद की वृद्धि दिखाी।

चार गुना तक बढ़ गई फ्लिपकार्ट सेलर्स की बिक्री : फ्लिपकार्ट ने बताया कि इस फेस्टिव सेल में पिछले साल के मुकाबले नए ग्राहकों की संख्या में करीब 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

मर्सीडीज ने एक दिन में डिलिवर की 200 से ज्यादा कारें

मुंबई, प्रेट : जर्मनी की लक्जरी कार निर्माता मर्सीडीज बेंज ने फेस्टिव सीजन सेल के एक दिन में मुंबई, गुजरात और अन्य शहरों में अपने अलग- अलग मॉडल की 200 से ज्यादा कारें डिलिवर की हैं। कंपनी ने मंगलवार को दशहरा एवं नवरात्र की कारों की डिलिवरी की। कंपनी ने 125 कारों की डिलिवरी मुंबई में 74 कारों की डिलिवरी गुजरात में की।

छह दिन चली सेल में वेबसाइट पर 70 अरब व्यू मिले। टीयर-2 और अन्य छोटे शहरों से खरीदारों की संख्या में 50 फीसद की वृद्धि हुई। वहीं टीयर-3 शहरों से बिक्री दोगुनी हो गई। फ्लिपकार्ट के करीब 50 फीसद टॉप सेलर्स की बिक्री चार गुना तक गई। इस सेल में 40 फीसद से ज्यादा विक्रेता टीयर-2 शहरों व अन्य कस्बों से रहे।

विज्ञापन खर्च में एफएमसीजी कंपनियां आगे

लेखाजोखा ▶ 2018-19 में विज्ञापन पर खर्च उससे पिछले वर्ष के मुकाबले 12 परसेंट बढ़ा

हाउसहोल्ड व पर्सनल प्रोडक्ट

श्रेणी पर विज्ञापन में हुआ

सर्वाधिक खर्च

नितिन प्रधान, नई दिल्ली

अन्य प्रोडक्ट श्रेणियों के मुकाबले बिक्री में काफी पीछे रहने वाली एफएमसीजी कंपनियां विज्ञापन पर खर्च के मामले में सबसे आगे रही हैं। हालांकि सभी कंपनियों ने वित्त वर्ष 2018-19 में अपने विज्ञापन खर्च में पिछले वर्षों के मुकाबले वृद्धि की। लेकिन उनका यह खर्च बिक्री में वृद्धि के अनुपात में नहीं बढ़ा। सभी इंडस्ट्री वर्गों के कुल विज्ञापन खर्च में इस अवधि में 12 परसेंट की वृद्धि दर्ज की गई है। सभी इंडस्ट्री समूहों की बिक्री और उनके विज्ञापन खर्च का बीते पांच साल का एक अध्ययन बताता है कि कंपनियों का कंपाउंड एन्युअल ग्रोथ रेट इस अवधि में 5.4 परसेंट रहा है। केयर रेटिंग्स की इस रिपोर्ट मुताबिक विज्ञापन और सेल्स प्रमोशन पर सबसे अधिक खर्च करने वाले इंडस्ट्री समूहों में बीते वित्त वर्ष एफएमसीजी कंपनियों को 1,67,819 करोड़ रुपये की बिक्री की। उससे पिछले वित्त वर्ष यानी 2017-18 में यह आंकड़ा 1,55,703 करोड़ रुपये थी। इन कंपनियों की बिक्री में 7.78



परसेंट की बढ़ोतरी हुई। लेकिन इन कंपनियों ने विज्ञापन और सेल्स प्रमोशन पर 2018-19 में 10,347 करोड़ रुपये की राशि खर्च की। यह इसके पिछले वर्ष इस मद में खर्च की गई 9,419 करोड़ रुपये की राशि से 9.8 परसेंट अधिक है।

रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार ऑटोमोबाइल एवं एंसीलियरीज सेक्टर ने इस अवधि में 4,98,560 करोड़ रुपये की बिक्री की। जबकि इस सेक्टर की कंपनियों ने 2018-19 में विज्ञापन और सेल्स प्रमोशन पर 7,203 करोड़ रुपये की राशि खर्च की। रिपोर्ट के मुताबिक

तकरीबन सभी सेक्टर की कंपनियों ने पिछले साल के मुकाबले अपने विज्ञापन खर्च में तो 2018-19 में वृद्धि की। लेकिन जिस अनुपात में बिक्री में वृद्धि हुई, विज्ञापन पर खर्च उतना नहीं बढ़ा। मसलन केमिकल सेक्टर की बिक्री में तो 17 परसेंट की वृद्धि हुई, लेकिन विज्ञापन खर्च केवल सात परसेंट ही बढ़ा।

रिपोर्ट के मुताबिक विज्ञापन के क्षेत्र में टीवी और प्रिंट सबसे बड़े सेगमेंट रहे। विज्ञापन पर खर्च करने वाली इंडस्ट्री में शीर्ष पांच में एफएमसीजी के अतिरिक्त ऑटोमोबाइल एंड

प्रोडक्ट केटेगरी में ये दिग्गज

प्रोडक्ट केटेगरी के लिहाज से विज्ञापन और सेल्स प्रमोशन पर बिक्री के अनुपात में सर्वाधिक खर्च हाउसहोल्ड व पर्सनल प्रोडक्ट्स पर हुआ। इस श्रेणी में कंपनियों ने कुल बिक्री का 12 परसेंट विज्ञापन पर खर्च किया। सबसे कम खर्च कंज्यूमर फूड प्रोडक्ट्स श्रेणी में हुआ। इसमें कंपनियों ने कुल बिक्री का केवल बार परसेंट विज्ञापन व सेल्स प्रमोशन पर खर्च किया।

एंसीलियरीज, हेल्थकेयर, बैंक और केमिकल सेक्टर शामिल हैं। जबकि प्रोडक्ट केटेगरी के लिहाज से शीर्ष तीन में हाउसहोल्ड व पर्सनल प्रोडक्ट के बाद एम्यूजमेंट पार्क व रिक्रिएशन ज़ुबन और टीवी ब्रॉडकास्टिंग एंड सॉफ्टवेयर प्रोडक्शन शामिल हैं। भारतीय कंपनियों ने वित्त वर्ष 2018-19 में 42,194 करोड़ रुपये की राशि विज्ञापन व सेल्स प्रमोशन पर खर्च की। यह बीते साल खर्च की गई 37,737 करोड़ रुपये की राशि से 12 परसेंट अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2016-17 और 2017-18 में विज्ञापन पर खर्च होने वाली राशि की वृद्धि दर दो-दो परसेंट रही थी। घरेलू विज्ञापन उद्योग को एशिया में सबसे तेजी से वृद्धि करने के मामले में चीन के बाद दूसरे स्थान पर रखा जाता है।

अमेरिका ने चीन की 28 इकाइयों को काली सूची में डाला

वाशिंगटन, प्रेट : अमेरिका ने चीन के शिनजियांग प्रांत में काम कर रही 28 इकाइयों को काली सूची में डाल दिया है। इस प्रांत में स्थित इकाइयों पर मानवाधिकार समेत कई अन्य नियमों के उल्लंघन के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। काली सूची में शामिल की गई ये इकाइयां अब किसी भी अमेरिकी कंपनी के साथ कोई कारोबार नहीं कर पाएंगी। इन इकाइयों में व्यक्ति या कंपनियां शामिल हैं।

अमेरिका के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि शिनजियांग में स्थित इन इकाइयों पर उड़गर स्वायत्तशासी क्षेत्र के अंदर उड़गरों और अन्य प्रमुख मुस्लिम अल्पसंख्यकों के मानवाधिकार हनन का आरोप है। ये कंपनियां चीन सरकार द्वारा उड़गर मुसलमानों के मानवाधिकार हनन के अभियान में सहयोग करती हैं। इन इकाइयों के साथ अमेरिकी कंपनियां अब कोई खरीद-फरोख्त नहीं करेंगी। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री विल्वर रॉस ने कहा कि अमेरिकी सरकार और वाणिज्य मंत्रालय चीन के अंदर एथनिक मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय के बर्बर दमन की अब और बढ़ावा देने के पक्ष में नहीं हैं। सरकार नहीं चाहती कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता और मुक्त व्यापार वाले हमारे वातावरण से सृजन करने पर जितनी राशि का प्रावधान किया है उससे चार गुणा ज्यादा राशि कृषि कर्ज माफी योजना के लिए किया है। साथ ही इसके परेक्ष तौर पर पड़ने वाले असर को भी आरबीआइ ने गंभीर बताया है। सलद रहे कि हाल के वर्षों में राज्यों के चुनाव से पहले किसानों के कर्ज को माफ करने को लेकर एक तरह से राजनीतिक प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई थी। तमाम राजनीतिक दल इस तरह की घोषणाएं करते

सूची में शामिल सभी इकाइयां चीन के शिनजियांग प्रांत में स्थित



उड़गर अल्पसंख्यकों की जासूसी और दमन पर अमेरिका ने अपनाया सख्त रुख।

प्रतीकालक

अमेरिकी वाणिज्य मंत्रालय का कहना है कि शिनजियांग उड़गर स्वायत्तशासी क्षेत्र में स्थित ये इकाइयां इस क्षेत्र के अलावा चीन के अन्य हिस्सों में भी चीन की दमनकारी नीतियों में साथ देती हैं। इनमें चीन द्वारा सामूहिक ऐच्छिक

इस प्रांत में मानवाधिकार उल्लंघन समेत चीन पर कई आरोप

राष्ट्रीय सुरक्षा या विदेश नीति हितों को खतरा पहुंचाने या खतरे की हद तक शामिल रहने का आरोप है।

गौरतलब है कि अमेरिका ने यह कदम ऐसे वक़्त में उठाया है, जब चीन के साथ ट्रेड वार पर उसकी द्विपक्षीय वार्ता 10 अक्टूबर से प्रस्तावित है। इसमें अमेरिकी दल का प्रतिनिधित्व ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव रॉबर्ट लाइटहाइजर और वित्त मंत्री स्वीवन न्यूचिन करेंगे। वार्ता में चीन के दल की कमान वाइस प्रीमियर ल्यू हो के हाथों में होगी। चीन और अमेरिका पिछले 10 महीनों से कारोबारी समझौते पर वार्ता कर रहे हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले दिनों फिर विश्वास के साथ कहा है कि चीन के साथ जल्द ठोस समझौता हो जाने की उम्मीद है। हालांकि ये वह भी कहते रहे हैं कि चीन उनके कार्यकाल में यह सौदा होने देने के मूढ़ में नहीं दिख रहा है। दोनों कंपनियों के बीच पिछले वर्ष शुरू हुआ ट्रेड वार ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है, जहां दुनियाभर की संस्थाओं को ग्लोबल इकोनॉमिक स्लोडाउन की चिंता सताने लगी है। आइएमएफ की प्रमुख ने पिछले दिनों कहा कि अगर अमेरिका-चीन का ट्रेड वार जल्द नहीं सुलझा, तो दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं को गंभीर आर्थिक मंदी का सामना करना पड़ सकता है।

रिलायंस एमएफ अब हुई निष्णों इंडिया म्यूचुअल फंड

मुंबई, प्रेट : अनिल अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस म्यूचुअल फंड का अब निष्णों इंडिया म्यूचुअल फंड हो गया है। जापान की निष्णों लाइफ इश्योरेंस ने हाल ही में रिलायंस म्यूचुअल फंड में 75 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी। दोनों कंपनियों के बीच डील वित्तीय क्षेत्र में अब तक के सबसे बड़े एफडीआइ में शुमार है। इसके साथ ही निष्णों इंडिया म्यूचुअल फंड भारत में सबसे बड़ी विदेशी स्वामित्व वाली एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) बन गई है। संदीप सिक्का अपनी पुरानी प्रबंधन टीम के साथ आगे भी कंपनी का नेतृत्व करेंगे।

निष्णों लाइफ इश्योरेंस कंपनी के प्रेसिडेंट हिरेशि शिमिजु ने कहा, ‘भारतीय एएमसी सेक्टर बहुत आकर्षक है और इसमें लंबी अवधि के विकास की क्षमता हमारे लक्ष्यों के अनुरूप है। हमारा मानना ​​है कि निष्णों इंडिया म्यूचुअल फंड की ओर प्रबंधन टीम इस विकास में अहम भूमिका निभाएगी।’ गौरतलब है कि अनिल अंबानी नियंत्रित रिलायंस ग्रुप इस वक़्त अपना पूरा कर्ज उतारने की कोशिशों के तहत कई संपत्तियों को बिक्री में जुटा हुआ है।



प्रतीकालक

बात पते की

कंपनी का नेतृत्व अब भी संदीप सिक्का और उनकी पुरानी प्रबंधन टीम करेगा

डील भारतीय वित्तीय क्षेत्र में अब तक के सबसे बड़े एफडीआइ में शुमार

निष्णों इंडिया म्यूचुअल फंड भारत में विदेशी स्वामित्व वाली सबसे बड़ी एएमसी

जापान में हर 12वां व्यक्ति निष्णों लाइफ इश्योरेंस का वीमा धारक

चुनौती

पांच वर्षों में 10 राज्यों की तरफ से 2,31,260 करोड़ रुपये की कृषि कर्ज माफी का एलान, अभी तक 1,54,168 करोड़ रुपये की राशि का ही बजट में हुआ प्रावधान

राज्यों के बजट पर किसान कर्ज माफी की फांस

पिछले पांच-छह वर्षों से देश की राजनीति में कृषि कर्ज माफी योजना को जिस तरह से आजमाया जाने लगा है उसका असर राज्यों की अर्थव्यवस्था पर साफ दिखने लगा है। विगत पांच वर्षों में इन राज्यों ने 2,31,260 करोड़ रुपये के कृषि कर्ज को माफ किया है। लेकिन अभी तक राज्यों ने अपने बजट से सिर्फ 1,51,168 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक व यूपी जैसे राज्यों ने अपनी माली हालत अगले दो-तीन वर्षों में ठीक नहीं की तो किसान कर्ज माफी का एलान किया था, जबकि वर्ष 2018-19 में चार बड़े राज्यों (कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़) ने इसे लागू किया। इन दोनों के बीच में यूपी, पंजाब, महाराष्ट्र व तमिलनाडु में भी इसे लागू किया गया। चालू वित्त वर्ष (2019-20) में इन राज्यों की तरफ से 39,703 करोड़ रुपये का प्रावधान संयुक्त तौर पर अपने बजट में किया गया है। ये राज्य अपने कुल सालाना बजट का 3.5 फीसद तक हिस्सा सिर्फ कृषि कर्ज माफी योजना को लागू करने के लिए ही खर्च कर रहे हैं। अभी दो-तीन वर्षों तक इस मद में खर्च होता रहेगा।



फाइन फोटो

में कृषि कर्ज की संस्कृति प्रभावित होती है। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2014-15 में दो राज्यों (आंध्र प्रदेश व तेलंगाना) ने किसान कर्ज माफी का एलान किया था, जबकि वर्ष 2018-19 में चार बड़े राज्यों (कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़) ने इसे लागू किया। इन दोनों के बीच में यूपी, पंजाब, महाराष्ट्र व तमिलनाडु में भी इसे लागू किया गया। चालू वित्त वर्ष (2019-20) में इन राज्यों की तरफ से 39,703 करोड़ रुपये का प्रावधान संयुक्त तौर पर अपने बजट में किया गया है। ये राज्य अपने कुल सालाना बजट का 3.5 फीसद तक हिस्सा सिर्फ कृषि कर्ज माफी योजना को लागू करने के लिए ही खर्च कर रहे हैं। अभी दो-तीन वर्षों तक इस मद में खर्च होता रहेगा।

केंद्रीय बैंक ने कृषि कर्ज माफी योजना सही है या गलत है, इस बारे में स्पष्ट तौर पर कोई निर्णय तो नहीं दिया है लेकिन कुछ तुलनात्मक अध्ययनों के जरिये इसकी प्रासंगिकता को सामने रखने की कोशिश जरूर की है। मसलन, उक्त 10 राज्यों ने चालू वित्त वर्ष के दौरान ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार सृजन करने पर जितनी राशि का प्रावधान किया है उससे चार गुणा ज्यादा राशि कृषि कर्ज माफी योजना के लिए किया है। साथ ही इसके परेक्ष तौर पर पड़ने वाले असर को भी आरबीआइ ने गंभीर बताया है। सलद रहे कि हाल के वर्षों में राज्यों के चुनाव से पहले किसानों के कर्ज को माफ करने को लेकर एक तरह से राजनीतिक प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई थी। तमाम राजनीतिक दल इस तरह की घोषणाएं करते

राज्य	वित्त वर्ष	कर्ज माफी (करोड़ रु. में)
आंध्र प्रदेश	(14-15)	24,000
तेलंगाना	(14-15)	17,000
तमिलनाडु	(16-17)	5280
महाराष्ट्र	(17-18)	34,020
यूपी	(17-18)	35,360
पंजाब	(17-18)	10,000
कर्नाटक	(18-19)	44,000
राजस्थान	(18-19)	18,000
एमपी	(18-19)	36,500
छत्तीसगढ़	(18-19)	6100

हैं। 1990 से 2000 के दौरान राज्यों के स्तर पर सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपये के कर्ज माफ किए गए थे और उसके बाद वह 2007-08 में केंद्र ने 56 हजार करोड़ रुपये के कर्ज माफ किए थे। लेकिन वर्ष 2014-15 के बाद से दस राज्यों ने मिल कर कई गुणा ज्यादा कृषि कर्ज को माफ कर दिया है।

विराट ने खोला भारत में तेज गेंदबाजों की सफलता का राज

कोहली ने कहा, व्यवहार व मानसिक स्थिति में बदलाव लाए तेज गेंदबाज, प्रमुख स्पिनर अश्विन व जडेजा की गेंदबाजी की भी तारीफ की



विराट कोहली • फाइन फोटो, एएफपी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: बीते कुछ वर्षों से टीम इंडिया की गेंदबाजी शानदार रही है। मैच घरेलू पिचों पर हों या फिर विदेशी पिचों पर, भारतीय गेंदबाज अपनी तेज और स्पिन गेंदबाजी के मिश्रण के साथ दुनिया भर में कामयाब हुए हैं। टेस्ट मैच में 20 विकेट निकालना अब टीम इंडिया के गेंदबाजों के लिए कोई चुनौतीभरा काम नहीं लगता। विशाखापत्तनम टेस्ट में भारत ने मेहमान दक्षिण अफ्रीका को 203 रन से मात दी। इस जीत के टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने भारतीय टीम की गेंदबाजी की कामयाबी का राज साझा किया।

घरेलू सपाट पिचों पर भारतीय तेज गेंदबाजों की कामयाबी का राज बताते हुए कोहली ने कहा, मैं मानता हूं कि हमारे तेज गेंदबाज पिछले दो साल में अपने व्यवहार और मानसिक स्थिति में जो बदलाव लाए हैं वो शानदार हैं। अगर तेज गेंदबाज मैदान से बाहर आते हैं तो फिर ऐसा लगता है कि यह सारा काम अब स्पिनरों को ही करना होगा। ऐसे में अंतिम एकादश में उन्हें खिलाता न्यायसंगत नहीं है। अब वे भारत में भी अपना योगदान देने की कोशिश करते हैं। ऐसा नहीं है कि अगर गर्मी और उमस भरा माहौल है तो वे हार मान लें। वे छोटे स्पेल के लिए जरूर कहते हैं, ताकि मैच में वे अपना 100 प्रतिशत झोक सकें, ये जरूरी संवाद है जो दोनों ही ओर से जरूरी होता है। मैं मानता हूं कि टीम के लिए ऐसा करते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है। ये सब नजरिये की वजह से है। शमी, इशांत, नसरीत और उमेश ये सभी वो सब जरूरी काम कर रहे हैं जो खेल में हम उनसे चाहते हैं। यहां तक छोटे-छोटे स्पेल में एक-दो विकेट उसकी से स्पिनरों को भी मदद मिलती है, जो दूसरे छोर से दबदबा बना रहे होते हैं। इससे टीम को थोड़ी-बहुत राहत मिलती है। ये शानदार है कि हमारे तेज गेंदबाज भी विपरीत हालात में भी विकेट

कोहली की कप्तानी में भारतीय तेज गेंदबाजों का भारत में प्रदर्शन

गेंदबाज	टेस्ट	पारी	ओवर	मेडन	रन	विकेट	पारी में सर्वश्रेष्ठ	मैच में सर्वश्रेष्ठ	औसत	इकोंमी	स्ट्रा. रेट	पांच विकेट	10 विकेट
उमेश यादव	19	38	513.4	102	1553	55	6/88	10/133	28.23	3.02	56.0	1	1
मुहम्मद शमी	10	20	296	61	879	34	5/35	6/116	25.85	2.96	52.2	1	0
इशांत शर्मा	12	23	307.3	76	819	23	3/37	5/80	35.6	2.66	80.2	0	0
भुवनेश्वर	5	10	130.3	34	367	18	5/48	8/96	20.38	2.81	43.5	1	0
वरुण आरोन	2	3	20	1	72	2	1/03	1/21	36	3.6	60.0	0	0

कोहली की कप्तानी में भारतीय स्पिनरों का भारत में प्रदर्शन

आर अश्विन	24	46	1176	256	3206	147	7/59	13/140	21.80	2.72	48.0	12	4
रवींद्र जडेजा	24	47	1103.5	298	2513	123	7/48	10/154	20.43	2.27	53.8	6	1
कुलदीप यादव	3	6	94	9	340	14	5/57	6/119	24.28	3.61	40.2	1	0
अमित मिश्रा	4	8	118.5	17	396	12	3/51	4/60	33.00	3.33	59.4	0	0
जयंत यादव	4	8	104.3	19	367	11	3/30	4/68	33.36	3.51	57.0	0	0

01 जनवरी 2018 के बाद कोहली की कप्तानी में भारतीय तेज गेंदबाजों का भारत में प्रदर्शन

उमेश यादव	3	6	65.5	11	213	15	6/88	10/133	14.20	3.23	26.3	1	1
मुहम्मद शमी	2	4	40.5	8	115	7	5/35	5/82	16.42	2.81	35.0	1	0
इशांत शर्मा	2	4	35	6	117	5	2/17	4/45	23.40	3.34	42.0	0	0

01 जनवरी 2018 के बाद कोहली की कप्तानी में भारतीय स्पिनरों का भारत में प्रदर्शन

रविचंद्रन अश्विन	4	8	149.2	35	429	22	7/145	8/189	19.50	2.87	40.7	1	0
रवींद्र जडेजा	4	8	128.4	24	384	19	4/17	6/35	20.21	2.98	40.6	0	0
कुलदीप यादव	2	4	66.0	6	249	10	5/57	6/119	24.90	3.77	39.6	1	0

नोट: इयमें उन्ही गेंदबाजों को शामिल किया गया है, जिन्होंने कम से कम एक विकेट लिया है।

मैं भारतीय हालात को अच्छी तरह से जानता हूं। यहां (पुणे) की पिच थोड़ी सी ज्यादा लाल है और इस स्थिति में सामान्य रूप से यहां ज्यादा स्पिन के अनुकूल हालात होंगे। इसलिए उम्मीद है कि गेंद पहले टेस्ट की तुलना में ज्यादा स्पिन करेगी।

फाफ डुप्लेसिस, कप्तान, दक्षिण अफ्रीका

हमारे खिलाड़ी एक टीम के तौर पर अपने प्रदर्शन में और सुधार करने पर ध्यान दे रहे हैं एवं प्रतिकूल परिस्थितियों का लुक उठा रहे हैं। आप चाहें तो इसे जैसे चाहें वैसे देखें, लेकिन हमारे खिलाड़ी विपरीत स्थिति का लुक उठा रहे हैं और अपने प्रदर्शन में सुधार कर रहे हैं।

सेनुरान मुथुस्वामी, ऑलराउंडर, दक्षिण अफ्रीका

निकालने को आतुर रहते हैं।

एसजी गेंद में हुआ सुधार : जब पिछली बार हम यहां (घरेलू सत्र में) खेले थे उसकी तुलना में इस बार की एसजी गेंद बहुत शानदार है। इसमें कुछ हद तक सुधार किया गया है। हम चाहते हैं कि यह गेंद 80 ओवरों तक सख्त बनी रहे। अगर यह 40-45 ओवरों में ही नरम होने लगेगी तो फिर खेल में कुछ होता

नहीं दिखेगा। यह स्थिति टेस्ट क्रिकेट के लिए आदर्श नहीं है। सख्त गेंद स्वभाविक रूप से थोड़ी ज्यादा उछलती है। इससे बल्लेबाजों को मुश्किलें आती हैं। हम इसे लगातार होते देखना चाहते हैं। अगर 80 नहीं तो कम्यै 60 ओवरों तक तो गेंद सख्त रहनी ही चाहिए। इससे हम खेल में लगातार बने रहेंगे। गेंदबाज आपको और आते रहते हैं और आपके

लिए मुश्किलें खड़ी करते रहते हैं, तब आपको रन बनाने में सक्षम रहना होता है। यहीं टेस्ट क्रिकेट का असली रोमांच और सारांश है। **शानदार रहे अश्विन व जडेजा** : कोहली ने मुख्य स्पिनरों रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा के प्रदर्शन को लेकर कहा, हम हमेशा जानते हैं कि दूसरी पारी में जाकर ही खेल निर्णायक होगा। जड़ू

और ऐश (जडेजा और अश्विन) दोनों ने ही बहुत शानदार प्रदर्शन किया। पहली पारी में अश्विन ने हमें सही स्थिति में पहुंचाया। पिच सपाट थी और उन्हें कुछ बाउंड्री भी मिल गई थीं। लेकिन, आपको यह भी मानना होगा कि हमने भी रवींद्र जडेजा के प्रदर्शन को लेकर कहा, हम हमेशा जानते हैं कि दूसरी पारी में जाकर ही खेल निर्णायक होगा। जड़ू

दिलाए, जो उनके शानदार प्रयासों का नतीजा था और दूसरी पारी में जडेजा ने अपने एक ही स्पेल में हमें जल्दी-जल्दी सफलताएं दिलाईं।

बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर : पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर कोहली ने कहा, रोहित दोनों पारियों में उन्दा खेले। पहली पारी में उनके साथ मयंक भी शानदार थे। दूसरी पारी में भी

उन्होंने शानदार शुरुआत की। पुजार सही ताल के साथ खेले, जिन्होंने हमारे लिए ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार किया कि जब हम बल्लेबाजी पर आते तो हम कुछ और अतिरिक्त रन बना पाए, जिससे हम विरोधी टीम को एक चुनौती भरा लक्ष्य दे पाए। यह मुश्किल काम था क्योंकि यहां मौसम भी चुनौतीपूर्ण था और पिच भी लगातार धीमी होती जा रही थी।

सात राज्य संघों पर चुनाव अधिकारी की नजर

हरित एन जोशी (भिड़-डै), मुंबई: मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) के आजीवन सदस्य संजीव गुप्ता के सात राज्य संघों के खिलाफ शिकायत और आपत्तियों के बाद बीसीसीआइ के चुनाव अधिकारी एन गोपालास्वामी इस पर कार्रवाई कर सकते हैं।

बीसीसीआइ के एक अधिकारी ने बताया कि गोपालास्वामी गुप्ता की सभी सात राज्य संघों के खिलाफ शिकायतों की जांच कर रहे हैं। इन सात राज्यों में मध्य प्रदेश (एमपीसीए), उत्तर प्रदेश (यूपीसीए), दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए), महाराष्ट्र (एमसीए), हरियाणा (एचसीए), तमिलनाडु (टीएनसीए) और कर्नाटक

बीसीसीआइ

- एमपीसीए के सदस्य ने की है इन संघों के खिलाफ शिकायत**
- उल्लंघन का दोषी पाए जाने पर नहीं ले पाएंगे चुनाव में भाग**

(केएससीए) शामिल हैं।

अगर चुनाव अधिकारी ने इन सभी सात राज्य संघों को उल्लंघन का दोषी पाया तो यह राज्य संघ बीसीसीआइ चुनाव में भाग नहीं ले पाएंगे। गोपालास्वामी ने 26 सितंबर को जारी नोटिस में कहा था कि इस चुनाव में सभी राज्य संघ अपने प्रतिनिधि का नाम सुनिश्चित करके आगे बढ़ाएं। गुप्ता ने अपनी शिकायतों में सात

राज्य संघों के बीसीसीआइ सचिवायन का उल्लंघन करने का दोषी पाया था। उनके अपने राज्य संघ में राजू सिंह एक ही समय पर तीन पदों पर बैठे हैं। साथ ही उनका आरोप है कि एमपीसीए में कई मामलों में सचिवायन को दखिनाफ किया जा रहा है। डीडीसीए में उन्होंने आरोप लगाया कि ओपी शर्मा दिल्ली सरकार में विधायक हैं, साथ ही वह डीडीसीए में कोषाध्यक्ष भी हैं, जो 6(5)डी नियम का उल्लंघन है। कर्नाटक में चुनाव अधिकारी ने बीसीसीआइ में ब्रजेश पटेल के राज्य संघ के प्रतिनिधि होने पर सवाल उठाया। उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज है। गुप्ता ने यूपीसीए के प्रतिनिधि राजीव शुक्ला पर भी कई आरोप लगाए।

नई दिल्ली, आइएनएस: भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने मंगलवार को ट्वीट कर मुंबई की आरे कालोनी में हो रही पेड़ों को कटाई का विरोध किया है। रोहित ने लिखा, 'इस कटने में भले ही कुछ ज्यादा बर्बा न हो, लेकिन पेड़ों की कटाई काफी बुरी बात है। मुंबई का यह हिस्सा हराभरा रहता है और यहां के तापमान में भी हल्की सी गिरावट रहती है, इसका कारण आरे कालोनी है। हम कैसे इसे छीन सकते हैं। साथ ही हजारों जानवरों के बारे में मत भूलिए, जिनके पास अब रहने को जगह नहीं होगी।' सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हलाक़ि आरे कालोनी में पेड़ों की कटाई पर रोक लगा दी।

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान को उनके जन्मदिन पर जिस अंदाज में बधाई दी है वह क्रिकेट प्रशंसकों को रास नहीं आई और उन्होंने पांड्या की कड़ी निंदा की है।

जहीर सोमवार को 41 साल के हो गए और हार्दिक ने एक वीडियो ट्वीट करते हुए लिखा कि जन्मदिन मुबारक हो जेक। मुझे उम्मीद है आप भी गेंद को मैदान से बाहर मारेंगे जैसे कि मैंने यहां किया। हार्दिक ने टिवटर पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें वह एक घरेलू मैच में जहीर की गेंद पर छक्का मार रहे हैं। एक यूजर ने ट्वीट किया कि अहंकार

विजय हजारें ट्रॉफी उत्तर प्रदेश की जीत में चमके प्रियम गर्म दिल्ली को हराया

बड़ोदरा, प्रेद्र: शिखर धवन की अर्धशतकीय पारी के बावजूद उत्तर प्रदेश ने युवा बल्लेबाज प्रियम गर्ग की तेजगति पर पारी के दम पर मंगलवार को यहां विजय हजारें ट्रॉफी के ग्रुप बी मैच में दिल्ली को पांच विकेट से शिकस्त दे दी। सीमित ओवरों में भारतीय पारी का आगाज करने वाले धवन ने 74 गेंद में 54 रन की पारी खेली जिनके बाद छठे नंबर के बल्लेबाज हिममत सिंह ने 77 गेंद में 64 रन बनाकर दिल्ली को 50 ओवर में आठ विकेट पर 204 रन बनाने में मदद की।

उत्तर प्रदेश ने खराब शुरुआत से उबरते हुए 29 ओवर में पांच विकेट पर 207 रन बनाकर जीत हासिल की। प्रियम गर्ग ने 52 गेंद में 79 और उपेंद्र यादव ने 62 गेंद में 57 रन बनाए। उत्तर प्रदेश के गेंदबाजों में मोहसिन खान ने तीन विकेट जबकि अर्किट राजपूत ने दो विकेट लिए। हरियाणा की करारी हार : एक अन्य मैच में विदर्भ में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बूते हरियाणा पर नौ विकेट से जीत हासिल की। विदर्भ के लिए दर्शन नलकंडे ने 25 रन देकर चार विकेट झटके। कप्तान अमित मिश्रा का टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला उलटा पड़ गया और हरियाणा की टीम 30.5 ओवर में 83 रन पर सिमट गई। जवाब में विदर्भ ने 20.4 ओवर में एक विकेट पर 85 रन बनाकर जीत हासिल की। उत्तराखंड की जीत: प्लेट ग्रुप के मैच में उत्तराखंड ने नगालैंड को सात विकेट से हराया। उत्तराखंड के लिए अवनशी सुधा ने सर्वाधिक 77 व तन्मय श्रीवास्तव ने नाबाद 54 रन बनाए। नगालैंड के लिए स्टुअर्ट बिनी ने 107 रनों की शतकीय पारी खेली। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी नागलैंड 44.5 ओवर में 174 रन पर सिमट गई। जवाब में उत्तराखंड ने 36.2 ओवर में सात विकेट पर 176 रन बना जीत दर्ज की।

टैनिस डायरी

मेलबर्न, एएफपी : एंडी मरे अगले साल जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन से ग्रैंडस्लैम टैनिस टूर्नामेंट में वापसी करेंगे। इस बात की घोषणा आयोगकों ने मंगलवार को की। ब्रिटिश खेलाडी मरे ने एक साल पहले अपने कूल्हे की सर्जरी कराई थी और अब वह फिटनेस और फॉर्म हासिल करने में लगे हुए हैं।

तीन बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन मरे अभी विश्व टैनिस सिंगल्स रैंकिंग में 289वें नंबर पर हैं, जबकि एक सप्ताह पहले तक वह 503वें स्थान पर थे। 32 वर्षीय मरे ने सोमवार को शंघाई मास्टर्स में अर्जेंटीना के जुआन इग्नेसियो लॉडेरो को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया, जहां मंगलवार को उन्हें इटली के फैबियो फोगनिनी से तीन गंटे से ज्यादा समय तक चले मुकाबले में

6-7, 6-2, 6-7 से शिकस्त झेलनी पड़ी। इससे पहले वह पिछले सप्ताह चीन ओपन में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के आयोजकों ने कहा कि पूर्व नंबर एक खिलाड़ी मरे ने साल के पहले ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में खेलने की पुष्टि कर दी है। आयोजकों ने यह भी बताया कि वह इस टूर्नामेंट के मुख्य दौर में खेलेंगे, ताकि वह अपनी ऊर्जा को बचा सकें। मरे मेलबर्न पार्क में पांच बार फाइनल खेल चुके हैं, जहां उन्हें चार बार नोवाक जोकोविच से और एक बार रोजर फेडरर से हार मिली है। मालूम हो कि छह महीने पहले मरे ने कूल्हे के दर्द के कारण भाविय में खेलने पर संशय जताई थी और इसकी घोषणा करते समय वह बावुकि भी हो गए थे, लेकिन समय के साथ पहले उन्होंने डबल्स और फिर सिंगल्स में वापसी की है और अब वह अच्छा खेल दिखा रहे हैं। उधर ऑस्ट्रेलियन ओपन के आयोजकों को मरे

तीसरे दौर में पहुंचे फेडरर

शंघाई : स्विटजरलैंड के दिग्गज टैनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर ने शंघाई मास्टर्स में स्पेन के एल्बर्ट रामोस विनोलास को 6-2, 7-6 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। दूसरी वरीय फेडरर ने इस दौरान कोई भी ब्रेक व्वाइट नहीं गंवाया, जो तीसरी बार इस टूर्नामें में खिताबी जीत की उम्मीद में है। फेडरर ने पहला सेट बेहद आसानी से अपने नाम किया, लेकिन दूसरे सेट में रामोस ने उनकी जमकर परीक्षा ली। इन दोनों खिलाड़ियों की इससे पहले 2015 के शंघाई मास्टर्स में भिड़ंत हुई थी जहां रामोस ने फेडरर को हराया था। उस हार का बदला लेने के बाद फेडरर ने कहा कि पिछले मैच में मिली हार उनके जेहन में थी। उधर तीसरी वरीय रूस के डेनिल मेदवेदेव ने ब्रिटेन के क्वालीफायर कैमरून नूरी को 6-3, 6-1 से हराया। वहीं अमेरिका के जॉन इस्नर और रैली ओपेल्का ने भी दूसरे दौर में जलन बनाई। इस्नर ने ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डि मिनॉर को 7-6, 6-4 से हराया, जबकि ओपेल्का ने सर्बिया के डुसान लाजोविक को 6-3, 6-4 से शिकस्त दी।



वोपन्ना-शापोवालोव क्वार्टर फाइनल में

शंघाई : भारतीय टैनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके जोड़ीदार डेनिस शापोवालोव ने मंगलवार को कारेन खावानोव और आंद्रे रुबलेव की रूसी जोड़ी को सीधे सेटों में हराकर शंघाई मास्टर्स के पुरुष डबल्स के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। भारत और कनाडा की इस जोड़ी ने शुरुआती दौर में खानानोव और रुबलेव की जोड़ी को 6-1, 6-4 से मात दी। पहले दौर के इस मुकाबले में पहले सेट में आसान जीत के बाद बोपन्ना और शापोवालोव दूसरे सेट में भी जीत जीत दर्ज की।

के अलावा बेल्जियम की दिग्गज टैनिस स्टार किम किलस्टर्स के भी इस टूर्नामेंट में खेलने की उम्मीद है, जिन्होंने हाल ही में अपने संचास्य को तोड़ने की घोषणा की थी। 2013 में मरे 77 साल बाद विंबलडन जीतने वाले पहले ब्रिटिश खिलाड़ी

बने थे। तब वहां के लोगों ने उनमें फ्रेड पेरी की झलक देखने लगे थे। 2012 में यूएस ओपन जीतने वाले मरे 2016 में एक बार फिर विंबलडन चैंपियन बने। इसके अलावा ब्रिटेन के मरे ने अपने नाम दो ओलंपिक स्वर्ण पदक भी दर्ज कराए।

